तमिलनाडु में विजय थलपति की.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिग बॉस 20 : फोटोग्राफर्स पर... 11

वर्ष - 02, अंक - 158 | गाजियाबाद / गुरूवार 10 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त

नितिन नवीन बोले-

पीएम ने युवाओं को निराशा से निकाला

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि पीएम मोदी के सत्ता संभालने के समय देश में निराशा का माहौल था, लेकिन उनके नेतृत्व में युवाओं को इससे बाहर निकाला गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में 25 करोड़ गरीब परिवार गरीबी से बाहर आए और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी।

भाजपा अध्यक्ष ने ये बातें बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पीएम मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित की गई थी। मोदी 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के सीएम बने थे। वे 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बने थे। पीएम ने लक्ष्य को उपलब्धियों में बदला: नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 25 साल में प्रधानमंत्री ने 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के मंत्र पर काम किया। मोदी ने शुरुआत में जो लक्ष्य तय किए, उन्हें संकल्प बनाया और उन्हें उपलब्धियों में बदला। 25 सालों में उनकी यात्रा एक सामान्य कार्यकर्ता से 'प्रधान सेवक' तक पहुंची है। यह स्पष्ट सोच और मजबूत संकल्प का नतीजा है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी- नवीन ने कहा- जब प्रधानमंत्री ने देश की कमान संभाली, तब हर तरफ निराशा और अंधकार का माहौल था।

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाईं

- रायबरेली में अफसरों से पूछा- सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और डीएम

से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है? राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से बीजेपी विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल `यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। राहुल लखनऊ रवाना हो गए हैं, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19-20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे।

बिहार में 8 नदियां उफान पर

14 जिलों में बाढ़,40 लाख लोग प्रभावित

यूपी के 3 जिलों में स्कूल बंद, उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड; एमपी में बारिश थमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा समेत 8 नदियां उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 35.89 लाख लोग प्रभावित हैं। कोसी, गंडक और घाघरा नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। सारण में माही नदी पर बना जमींदारी बांध टूटने से स्थिति गंभीर हो गई है। उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वाराणसी में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के स्कूल सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। आज वाराणसी और प्रयागराज समेत 23 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड के कारण घरों और दुकानों में दरारें आ गई हैं। पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इधर, मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर 3 दिन का ब्रेक लिया है। मौसम विभाग, भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है।

बिहार में बाढ़ से 40 लाख लोग प्रभावित- बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां

खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ा- पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ने से महानंदा टोला और आसपास के इलाकों में बाढ़ और तेज कटाव की स्थिति बनी हुई है।

लखनऊ से सटे बाराबंकी में दूरसंचार केंद्र सरयू में समाया, फर्रुखाबाद में कड़ाही को नाव बनाया

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। लखनऊ से सटे बाराबंकी में सरयू का कटान तेज हो गया है। मंगलवार को दूरसंचार केंद्र नदी में समा गया। फर्रुखाबाद में गंगा का पानी गांवों में घुस गया। लोग बड़ी कड़ाही को नाव बनाकर आवाजाही कर रहे हैं। 10 दिन में 15 मकान गंगा में समा चुके हैं। प्रयागराज में हनुमान मंदिर अब पानी से घिरा हुआ है। 10वें दिन भी लेटे हनुमानजी जलमग्न हैं। कानपुर और उन्नाव में पांडू नदी का पानी बस्तियों में घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। बिजनौर में गंगा नदी के बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे रस्सी से बांधकर वन विभाग को सौंप दिया। बलिया में सरयू की बाढ़ में कारें और बाइकें डूब गईं। इधर, बुधवार सुबह से प्रयागराज, कौशांबी, भदोही समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पूर्वी यूपी के ज्यादातर शहरों में बादल छाए हैं।

सीजेआई की नोएडा मजिस्ट्रेट को फटकार, बोले- हिम्मत कैसे हुई

सीजेपी प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर, रद्द करने का आदेश दे चुके, फिर भी नोटिस क्यों

नोएडा (एजेंसी)। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नोएडा के मजिस्ट्रेट को फटकार लगाई। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी हैं। विरोध प्रदर्शनों को लेकर किसी भी छात्र के खिलाफ भविष्य में जबरदस्ती की कार्रवाई पर रोक लगाई है। ऐसे में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने छात्र को नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की? कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता।'

दरअसल, 4 सितंबर को नोएडा कमिश्नरेट के थर्ड एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आर के सिसोदिया ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रदर्शन में शामिल छात्र अक्षत त्रिपाठी के खिलाफ नोटिस जारी किया था। इसमें 5 लाख रुपए का बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदार पेश करने को कहा गया

था। इसके बाद छात्र ने मंगलवार को वीडियो जारी कर कहा था- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद मुझे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए धमकाया जा रहा है।

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य ने मौखिक रूप से सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच को यह बात बताई।

सुप्रीम कोर्ट बोला- जिला मजिस्ट्रेट से जवाब मांगेंगे

वकील भट्टाचार्य ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- यह भारत के छात्रों के साथ एक प्रयोग किया जा रहा है। इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा। पहले अवमानना की गई और फिर उसे वापस लिया गया। इस अवमानना को इस तरह सुधारा नहीं जा सकता। यह कोर्ट की गरिमा की अवमानना है। नोएडा और यूपी के अधिकारी छात्रों के मन में डर का माहौल नहीं बना सकते हैं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने भरोसा दिलाते हुए कहा- हम जिला मजिस्ट्रेट से इस पर जवाब मांगेंगे।

4 सितंबर को नोटिस दिया, अगले दिन रद्द कर दिया- छात्र अक्षत त्रिपाठी प्रयागराज के झूंसी के रहने वाले हैं। वह गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) से बीए-एलएलबी कर रहे हैं। अक्षत त्रिपाठी स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की उत्तर प्रदेश स्टेट कमेटी के सदस्य भी हैं।

कच्चा तेल 100 डॉलर पार, 6 हफ्ते में सबसे महंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं। **अमेरिका ने ईरान के 5 क्रूड ऑयल टैंकर तबाह किए-** तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया। अमेरिका का दावा है कि उसने यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले के जवाब में की है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने पूरा वंदे मातरम् गाया

कांग्रेस ने आपत्ति जताई, कहा- सहयोगी दल पार्टी के साथ रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है।

इस पर उमर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों पर शर्तें थोपने का अधिकार कांग्रेस का नहीं है। वहीं, बीजेपी ने कांग्रेस को 'मुस्लिम लीग' की राजनीति करने वाली पार्टी बताया।

विवाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण गाए जाने के बाद शुरू हुआ।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

सीएम रेखा का निर्देश- सभी हॉस्टलों की जांच करें; पीजी ढहने के मामले में अब तक 5 अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे।

वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने

पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स पीजी था। लड़कियां पीजी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था।

सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गर्ल्स पीजी की दीवारों में दरारें

हॉस्टल डेज के पड़ोस में बने कनक लता गर्ल्स पीजी को भी आज गिराया जा रहा है। यह वही गर्ल्स हॉस्टल है, जिसमें रहने वाली छात्राओं ने अपने कमरों की दीवारों और छत में आई दरारों का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

यहां रहने वाली दिल्ली यूनिवर्सिटी की सेकेंड ईयर की छात्राओं अर्निका और मानसी ने हॉस्टल डेज की बिल्डिंग गिरने से कुछ मिनट पहले अपने कमरे का वीडियो बनाया था। वीडियो में दीवारों और छत पर दरारें दिखाई दे रही हैं। 20 साल की अर्निका वीडियो में कहती हैं, लगता है गिरने वाली है।

सत्य निकेतन पीजी हादसा मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने संकेत दिया कि वे इस मुद्दे को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि देशभर में जर्जर और अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने बुधवार को हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े पूर्व आतंकी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार किया। उसके पास से चीन में बनी पिस्तौल, 2 मैगजीन और 16 गोलियां बरामद हुईं। पुलिस के मुताबिक, मंजूर पहले भी 2 मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। वह संगठन के लिए आतंकी गतिविधियों में मदद करने के साथ हथियार उपलब्ध कराने का काम करता था। पुलिस को हंदवाड़ा-कुपवाड़ा इलाके में हिजबुल से जुड़े एक मॉड्यूल के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई कर उसे पकड़ा।

24 अगस्त: जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 6 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार- शोपियां में गिरफ्तार तीन संदिग्ध आतंकियों के पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के 5 पोस्टर मिले थे। शोपियां में गिरफ्तार तीन संदिग्ध आतंकियों के पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के 5 पोस्टर मिले थे।

असम में अफसर ने सीएम-मंत्रियों की आवाज से करोड़ों ठगे

जिला विकास अधिकारी के पद पर है, सरकार ठेका और नौकरी दिलाने के नाम पर वसूली करता

गुवाहाटी (एजेंसी)। नीली शर्ट में आरोपी देवेश्वर बोरा है। असम सीएम विजिलेंस ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार किया।

असम में राज्य सिविल सर्विस के एक अफसर पर करोड़ों रुपए की ठगी के आरोप लगे हैं। आरोपी देवेश्वर बोरा धेमाजी जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) के पद पर हैं। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने सरकारी ठेका, नौकरी और शराब की दुकान का लाइसेंस दिलाने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए ठगे।

सीएम विजिलेंस ने बोरा को मंगलवार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि ठगी का सिलसिला साल 2011 से चल रहा था। जांच के दौरान सीएम हिमंत बिस्वा सरमा सहित कई बड़े नेताओं और मंत्रियों की आवाज की नकल कर लोगों को फोन करवाने की बात भी सामने आई है।

विजिलेंस के अनुसार, बोरा ने एक व्यक्ति से रू. 2 करोड़ और दूसरे से 50 लाख लिए। उन पर राजनीतिक नेता रमेन बरठाकुर से भी 50 लाख रिश्वत मांगने का आरोप है। इसके अलावा सरकारी बंगले की मरम्मत कराने के बाद ठेकेदार को भुगतान नहीं करने की शिकायत भी सामने आई है। मामले में पीड़ितों की संख्या बढ़ने का अनुमान है।

बड़े नेताओं की आवाज में फोन कर जीतता था भरोसा- सीएम विजिलेंस की एसएसपी रोजी कलिता के मुताबिक, बोरा लोगों को अपनी ऊंची पहुंच का भरोसा दिलाता था। पीड़ितों ने जांच के दौरान बताया कि बोरा उन्हें बड़े नेताओं और मंत्रियों से फोन पर बात करवाता था।

आरोप है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई, मुख्य सचिव और दूसरे बड़े नेताओं-मंत्रियों की आवाज की नकल कर फोन किए जाते थे। इससे लोगों को लगता था कि बोरा की सत्ता के बड़े लोगों तक सीधी पहुंच है और वह उनका काम करवा सकता है।

झारखंड की वोटर लिस्ट में मिले अफगान के तीन नागरिक

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में तीन अफगान नागरिकों के नाम पाए गए हैं, जिससे चुनाव अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। दस्तावेजों की जांच के दौरान उनकी विदेशी पहचान सामने आने के बाद चुनाव अधिकारियों ने तुरंत मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, आसिल खान, मोहम्मद असलम और मोहम्मद इब्राहिम नामक इन तीनों व्यक्तियों के नाम जमशेदपुर ईस्ट विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में दर्ज थे। इन तीनों ने गणना प्रक्रिया पूरी की थी और उनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी शामिल हो गए थे। हालांकि, दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान कुछ गड़बड़ी मिलने पर तीनों के नाम नोटिस लिस्ट में आए। चुनाव अधिकारियों की ओर से तीनों को नोटिस भेजकर जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन वे वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद उनके पासपोर्ट की गहन जांच की गई, जिसमें उनकी पहचान अफगान नागरिकों के तौर पर सामने आई। ये तीनों जमशेदपुर ईस्ट के पोलिंग स्टेशन नंबर 286 में क्रमशः 30, 31 और 33 नंबर पर दर्ज थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि तीन विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। इनमें से एक की विदेशी नागरिकता की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दो अन्य संदिग्ध हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तीनों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। रवि कुमार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह भी पता लगाया जाएगा कि इन विदेशी नागरिकों के नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने में किसने मदद की। उन्होंने इसे एक आपराधिक गतिविधि बताया और कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, इन तीनों के परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जाएगी और उनके दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी वास्तविक नागरिकता और स्थिति का पता लगाया जाएगा। मामले में जमशेदपुर के डिप्टी कमिश्नर और एसएसपी को भी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारियों की ओर से उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी कहा कि राज्य में ऐसे अन्य विदेशी नागरिकों की भी पहचान की जाएगी, जिनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर तैनात

सूरत (एजेंसी)। सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं। सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मार्केट में मंजिलें डबल-हाइट वाली हैं, जिसका मतलब है कि चौथी और पांचवीं मंजिलें असल में अपनी सामान्य ऊंचाई से कहीं ज्यादा ऊंचाई पर स्थित हैं। नतीजतन, दमकलकर्मियों को करीब 20 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेशन चलाना पड़ा।

गांव की लड़कियों से की शादी तो होगा बायकॉट, गुरुद्वारा सिंह सभा का फैसला

-गांव की लड़कियां शादी के लिए नहीं, बहन

जगराओं (एजेंसी)। पंजाब के रायकोट रोड स्थित रूबी गांव में प्रेम संबंधों को लेकर पंचायत और ग्रामीणों ने सख्त फैसला लिया है। गुरुद्वारा सिंह सभा में हुई बैठक में तय किया गया कि गांव का कोई युवक यदि गांव की ही लड़की को भगाकर ले जाता है या उससे शादी करता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। युवक के परिवार के खिलाफ भी बहिष्कार की कार्रवाई की बात कही गई है। पंचायत ने यह भी कहा कि लड़की को भगाने के बाद युवक या उसके परिवार ने आत्महत्या की कोशिश की, तो पंचायत, ग्रामीण, समाजसेवी संस्थाएं और खेल क्लब उनकी मदद नहीं करेंगे। पंचायत के अनुसार, यह फैसला फिलहाल रूबी गांव तक सीमित है। आसपास के गांवों में भी जल्द महापंचायत बुलाकर ऐसे फैसलों पर विचार किया जाएगा। पंचायत ने गांव की लड़कियों को बहन मानने की अपील की है।

ऋण फजीवाड़े पर जिला प्रशासन सख्त, संदिग्ध मामलों की होगी एसआईटी जांच

देहरादून (शिखर समाचार)। जनपद में ऋण और ऋण बीमा से जुड़े फजीर्वाड़े की लगातार मिल रही शिकायतों को जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद में कार्यरत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और आवास वित्त कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई, जिसमें ऋण वितरण प्रक्रिया, एजेंटों की भूमिका, वसूली और फजीर्वाड़े से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों की आर्थिक मजबूरी का फायदा उठाकर फर्जी तरीके से ऋण दिलाने, अनावश्यक दस्तावेज तैयार करने या एजेंटों के माध्यम से धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लीड बैंक प्रबंधक को संबंधित विभागों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति संदिग्ध ऋण प्रकरणों, शिकायतों और एजेंटों की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करेगी तथा प्रत्येक माह समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंभीर और संदिग्ध मामलों की आवश्यकता के अनुसार विशेष जांच दल से जांच कराई जाएगी। जांच में बैंक, वित्तीय संस्था, एजेंट अथवा किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई होगी। ऋण लेने वाले व्यक्ति की आर्थिक और पुनर्भुगतान क्षमता का उचित आकलन किए बिना ऋण स्वीकृत करने के मामलों को भी गंभीरता से लिया जाएगा। सभी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और आवास वित्त कंपनियों से वितरित ऋण तथा लंबित वसूली मामलों की विस्तृत सूची मांगी गई है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में कार्यबल गठित कर वित्तीय संस्थाओं, सक्रिय साहूकारों और ऋण दिलाने के नाम पर काम कर रहे एजेंटों का विवरण जुटाने के निर्देश दिए। भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि से भी संदिग्ध एजेंसियों की जानकारी साझा करने को कहा गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उप जिलाधिकारी मुख्यालय रविन्द्र ज्वांठा, लीड बैंक प्रबंधक राजीव भाटिया, भारतीय रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि भरत कुमार सहित विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मलबे में दबे छात्र ने किया फोन, भेजी लाइव लोकेशन फिर बची जान

-दोस्तों ने सत्य निकेतन पहुंचकर किया रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए, लेकिन एक घटना ऐसी भी सामने आई है जिसने उम्मीद की किरण जगाई। मलबे के नीचे दबे 19 वर्षीय छात्र नीरज बावा ने अपनी जान बचाने के लिए आखिरी दम तक हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने मलबे के नीचे फंसे रहते हुए पहले अपने दोस्तों को फोन करके मदद मांगी और फिर अपनी लाइव लोकेशन उन्हें भेज दी। यही सूझबूझ उसके लिए अपनी जिंदगी बचाने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गई। 19 साल के नीरज बावा पिछले कई दिनों से डीयू छात्रसंघ चुनाव के प्रचार में व्यस्त थे। लगातार 20 दिनों तक चुनाव अभियान में रहने के बाद रविवार को बारिश होने पर वह आखिरकार सत्य निकेतन स्थित अपने हॉस्टल डेज पीजी लौटे थे। जैसे ही वह कमरे में पहुंचे, कुछ ही पल में पूरी इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए। गनीमत यह रही कि मलबे में फंसे होने के बावजूद नीरज के पास उसका मोबाइल था। उन्होंने तुरंत अपने दोस्तों को फोन किया और कहा, 卐भैया, मुझे बचा लोज मैं यहां मर जाऊंगा।卐 इसके कुछ मिनट बाद उन्होंने अपनी लाइव लोकेशन भी भेज दी ताकि दोस्त सही जगह तक पहुंच सकें। नीरज का दोस्त विष्णु अपने साथियों के साथ तुरंत घटनास्थल पहुंचा।

बाढ़ पीड़ितों के बीच सांसद पप्पू यादव, व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्णिया, एजेंसी।
निर्दलीय सांसद पप्पू यादव (राजेश रंजन) ने हाल ही में बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, हाजीपुर और तेजस्वी यादव के विधानसभा क्षेत्र राघोपुर, का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, खुद खाना बनाया और आर्थिक सहायता भी वितरित की। उन्होंने बिहार सरकार की बाढ़ राहत व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए। हाजीपुर में मुख्यमंत्री के बाढ़ राहत शिविर का जायजा लेने के दौरान पप्पू यादव ने खाने की गुणवत्ता पर तंज कसा। शिविर में रह रहे लोगों ने शिकायत की कि उन्हें जली हुई दाल, कच्चा चना और चावल दिया जा रहा है, जो खाने लायक नहीं है। लोगों ने यह भी बताया कि नियमित मदद नहीं मिलती और व्यवस्थाएं केवल तब सुधरती हैं जब मुख्यमंत्री या कोई बड़ा अधिकारी दौरा करता है।

पप्पू यादव ने इसे सरकार का दिखावा करार देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के आने पर लाल कारपेट बिछ जाती है, लेकिन उनके जाते ही व्यवस्थाएं धड़ाम हो जाती हैं। उन्होंने हाजीपुर और राघोपुर दोनों जगह लोगों को पांच-पांच सौ रुपये बांटे और महिलाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किए। राघोपुर में पप्पू यादव ने खुद पूरी बनाकर बाढ़ पीड़ितों को खिलाई और वहीं रात्रि विश्राम भी किया, जिससे स्थानीय लोग काफी खुश नजर आए। सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ राहत शिविरों में व्यवस्थाएं एकदम लचर हैं। पैसे बांटने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से लोगों के लिए पैसा बांट रहा हूं। बिहार के लोग मेरे भगवान हैं, दूसरे नेता मंदिर में दूध चढ़ाते हैं, मैं जनता की पूजा करता हूं और जनता को ही चढ़ाता हूं। उन्होंने बाढ़ को लेकर दिए गए बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। ललन सिंह के बयान पर पप्पू यादव ने ऐसे बयान देने वालों की संपत्ति की जांच की मांग की। प्रशांत किशोर के बाढ़ हर साल आता है जैसे सूरज उगता है वाले बयान पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर नई नवेली दुल्हन हैं, जो सास से सीखकर बयानबाजी कर रहे हैं। सिर्फ राजनीतिक बयान देते हैं, जनता के बीच नजर नहीं आते।

तमिलनाडु में विजय थलपति की सरकार गिराने की तैयारी?

साथ आ रहे सारे विरोधी, बना रहे रणनीति

चेन्नई, एजेंसी।
चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विरोधी दल उनकी तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) सरकार के खिलाफ एकजुट होने की तैयारी कर रहे हैं। अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने प्रमुख विपक्षी दल एमके स्टालिन की डीएमके को साथ आने का सीधा चैलेंज दिया है। एआईएडीएमके ने यह भी कहा है कि टीवीके के खिलाफ अन्य नई पार्टियां भी उनके साथ आ सकती हैं। हालांकि, इस चुनौती पर डीएमके की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री एडापड्डी के. पलनीस्वामी से जब टीवीके के खिलाफ गठबंधन की संभावना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हाँ, हम भी टीवीके के खिलाफ हैं। अगर कोई दूसरी पार्टी इसमें शामिल होना चाहती है, तो हम उनका स्वागत करेंगे। हमारा गठबंधन जैसा है, वैसा रहेगा, और अगर दूसरी पार्टियां आना चाहती हैं, तो वे शामिल हो सकती हैं। इस दौरान उन्होंने डीएमके को चुनौती देते हुए कहा, अगर नई पार्टियां हमारे साथ आना चाहती हैं, तो आ सकती हैं। क्या डीएमकेज क्या डीएमके आएगी? क्या आप यह सवाल पूछ सकते हैं? यह राजनीतिक सरगर्मी तब तेज हुई है, जब तमिलनाडु विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद एआईएडीएमके के छह विधायक टूटकर विजय की टीवीके में शामिल हो गए थे, और बचे हुए विधायक भी दो गुटों में बंट गए थे। हालांकि, डीएमके नेता आरएस भारती जून में दोनों दलों के साथ आने से इनकार कर चुके थे, लेकिन उन्होंने कहा था कि अगर डीएमके और एआईएडीएमके भविष्य में साथ आते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं होगा। वहीं, अगस्त में स्टालिन ने कहा था कि उनकी पार्टी राजनीतिक वापसी करने में सक्षम है और वह पूरे राज्य में मतदाताओं का समर्थन फिर से हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने विजय पर निशाना साधते हुए कहा था, वह (विजय) विधानसभा को फिल्म का सेट समझते हैं और डायलॉग बोलते हैं। इस बीच, टीवीके बुधवार को चेन्नई में सहयोगी दलों के साथ अपनी दूसरी समन्वय बैठक करेगी। हालांकि, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और एमडीएमके के बैठक में शामिल होने की संभावना है। इस बैठक का उद्देश्य गठबंधन को औपचारिक रूप देना, साझा न्यूनतम कार्यक्रम तैयार करना, संचालन समिति गठित करना और

गठबंधन का आधिकारिक नाम तय करना है। हालांकि, 2029 के लोकसभा चुनाव में विजय को प्रधानमंत्री पद का संभावित चेहरा बनाए जाने की टीवीके नेताओं की मांग को लेकर कांग्रेस के साथ भी मतभेद सामने आए हैं, क्योंकि कांग्रेस राहुल गांधी को विपक्षी गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। टीवीके ने विजय फॉर पीएम की मांग को व्यक्तिगत राय करार दिया है।

झारखंड में लगातार 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन , मौत के पीछे के कारणों की हो रही तलाश

रांची (एजेंसी)। झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद अब राजनीति में प्रचलित अंधविश्वास की कहानियों में शुमार हो गया है। लगातार तीसरे शिक्षा मंत्री की असामयिक मौत ने इस पद को लेकर गंभीर चर्चा और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। पहले जगरनाथ महतो, फिर रामदास सोरेन और अब सुदिव्य सोनू के निधन ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस पद के साथ कोई अशुभ जुड़ा है। हेमंत सोरेन ने 2019 में जब भाजपा से सत्ता छीनी, तो उनकी सरकार में 'टाइगर' नाम से मशहूर जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। कोविड महामारी के समय उनके फेफड़े संक्रमित हुए और 6 अप्रैल 2023 को उनका निधन हो गया। जगरनाथ महतो के बाद रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया, लेकिन साल भर में ही वे भी चल बसे। इन दो मौतों के बाद पद पर बैठाने की बारी आई तो तीसरे शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को बनाया गया, जो हेमंत सोरेन सरकार के संकटमोचक और जेएमएम में भरोसेमंद नेता माने जाते थे। हाल ही में 6 सितंबर 2026 को उनका भी निधन हो गया, जिसने इस पद के इर्द-गिर्द अंधविश्वास की कहानियों को और बल दे दिया है। यह सिर्फझारखंड की बात नहीं, राजनीति में ऐसे कई अंधविश्वास प्रचलित हैं। बिहार में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने मंत्री आवास (3, देशरत्न मार्ग) को 'भूतिया' बता दिया था, जब महागठबंधन सरकार गिरने के बाद 2018 में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उनका आरोप था कि भाजपा और नीतीश कुमार ने इस आवास में भूत भेज दिए हैं। पटना में 39, हार्डिंग रोड और स्ट्रैंड रोड का बंगला नंबर 6 जैसे कई अन्य सरकारी आवासों के बारे में भी यही धारणा रही है कि यहां रहने वाले मंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। उत्तर प्रदेश में भी नोएडा को लेकर राजनीतिकों के बीच ऐसा ही अंधविश्वास रहा कि जो भी मुख्यमंत्री वहां गया, उसकी कुर्सी चली गई। जून 1988 में वीर बहादुर सिंह, 1989 में एन.डी. तिवारी के बाद मुलायम सिंह यादव, मायावती और कल्याण सिंह के उदाहरण दिए जाते थे, जिनकी नोएडा दौरे के बाद सत्ता चली गई। इसी भय से 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके।

स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर, घर-घर कचरा संग्रहण और चार-स्तरीय पृथक्करण के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कार्यालय सभागार में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में जनपद में चल रहे स्वच्छता कार्यों, घर-घर कचरा संग्रहण, अपशिष्ट प्रबंधन और जन-जागरूकता गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायत क्षेत्रों में शत-प्रतिशत घर-घर कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड और ग्राम पंचायत में नियमित रूप से कूड़ा उठाया जाए तथा कूड़ा वाहनों की उपलब्धता और संचालन की लगातार निगरानी की जाए। बैठक में उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी निकायों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कचरा संग्रहण एवं शुल्क वसूली की व्यवस्था पारदर्शी होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने चार-स्तरीय अपशिष्ट पृथक्करण व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने घरों में गीले, सूखे, घरेलू जोखिमयुक्त और सैनिटरी अपशिष्ट को अलग-अलग रखने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान

चलाने के निर्देश दिए। इसके अलावा कम्पोस्ट गड्ढों, कचरा परिवहन एवं प्रसंस्करण संयंत्र, कूड़ा निस्तारण केंद्र, सैनिटरी लैंडफिल और पुराने कचरे के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता शपथ, स्वच्छता रैली, दीवार लेखन और जन-जागरूकता कार्यक्रम बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन और निर्धारित समयसीमा में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, जिला पंचायत राज अधिकारी एम.एम. खान, उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, स्वजल नोडल अधिकारी चंद्रमणि त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली हादसे के बाद जम्मू की जर्जर इमारतों पर होने लगे सवाल

-असुरक्षित घोषित परिसर में चल रहे दर्जनों कारोबार, दुकानदार बोले- मजबूरी में काम करना पड़ रहा

जम्मू, एजेंसी।
दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत हादसे के बाद देशभर में असुरक्षित और अवैध निर्माण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी कड़ी में जम्मू के वेयरहाउस इलाके में ऐसी इमारतें सामने आई हैं, जिन्हें सरकार औपचारिक रूप से असुरक्षित घोषित कर चुकी है। इसके बावजूद इन इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर व्यापारिक प्रतिष्ठान चल रहे हैं।

शहर के बीच स्थित इन इमारतों में ऊपर की दो मंजिलों पर सरकारी क्वार्टर थे। प्रशासन ने इन्हें असुरक्षित घोषित करने के बाद यहां रह रहे लोगों को क्वार्टर खाली करने के निर्देश दिए। हालांकि, इन्हीं इमारतों के ग्राउंड फ्लोर पर चल रहे दर्जनों व्यापारिक प्रतिष्ठानों की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। इन दुकानों में कई दर्जन लोग रोजाना काम करते हैं। दुकानदारों और वहां काम करने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें इमारत की स्थिति को लेकर डर लगता है, लेकिन वे रोजगार की मजबूरी में काम जारी रखे हुए हैं। उनका कहना है कि सरकार ने सरकारी क्वार्टर तो खाली करा दिए, लेकिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। यदि सरकार दुकानों को भी खाली कराती है और दूसरी जगह उपलब्ध कराती है तो वे वहां जाने के लिए तैयार हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इमारत की जर्जर हालत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि

आए दिन सीमेंट, सरिया और ईंटों के हिस्से टूटकर नीचे गिरते हैं। आसपास काम करने वाले लोगों ने दावा किया कि कई बार वे इन गिरते मलबों की चपेट में आने से बाल-बाल बचे हैं। उन्होंने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले लोगों की जान बचाई जा सके।

भीमगोड़ा कुंड का होगा जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण, कुंभ-2027 के कार्यों में तेजी के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को गति देने के साथ हरिद्वार की धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने की कवायद भी तेज हो गई है। मेलाधिकारी सोनिका ने पौराणिक भीमगोड़ा कुंड का स्थलीय निरीक्षण कर इसके जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का जिम्मा हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण को सौंपते हुए कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंड की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता को देखते हुए इसके संरक्षण और बेहतर रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है।

उन्होंने प्राधिकरण के सचिव प्रत्यूष सिंह को योजना और रूपरेखा को आवश्यक मंजूरी के बाद तत्काल कार्य शुरू कराने को कहा। कुंड की सफाई, जलापूर्ति, सीढ़ियों के सुधार, क्षतिग्रस्त पत्थरों को बदलने, रेलिंग व्यवस्थित करने और आकर्षक प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश दिए गए। परिसर स्थित मंदिरों और धार्मिक संरचनाओं के सौंदर्यीकरण तथा बेहतर प्रकाश व्यवस्था पर भी जोर दिया गया। आसपास के भवनों के अग्रभाग को निर्धारित स्वरूप में विकसित करने तथा प्रवेश द्वार के पास अनियोजित वाहन खड़े करने पर रोक लगाने के निर्देश दिए

गए।

मेलाधिकारी ने रोड़ी बेलवाला में चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण कर समतलीकरण जल्द पूरा करने तथा इसके बाद प्रकाश, शौचालय और अन्य जनसुविधाओं के कार्य प्राथमिकता से कराने को कहा। उन्होंने क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त रखने और वेंडिंग क्षेत्र को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन प्रशासनिक मार्ग और घाटों के सुदृढ़ीकरण कार्यों की भी समीक्षा की गई। घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, बैठने की व्यवस्था और आस्था पथ के कार्यों में तेजी लाने को कहा गया।

दूधाधारी चौक से ज्वालापुर तक प्रस्तावित सड़क नवीनीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए मेलाधिकारी ने साधु-संतों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और अन्य हितबद्ध लोगों के सुझावों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। सड़क के साथ फुटपाथ, रेलिंग और जल निकासी की समुचित व्यवस्था के अलावा प्रकाश और सौंदर्यीकरण कार्य भी योजनाबद्ध तरीके से कराने को कहा गया। उन्होंने कहा कि कुंभ-2027 से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण हों तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। इस दौरान अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, प्रत्यूष सिंह, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी आश्वासन समिति ने विभागीय कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

गरीब और बेसहारा लोगों का उत्पीड़न न हो, पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में बुधवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उप समिति के संयोजक एवं विधानसभा सदस्य मनोज कुमार प्रजापति ने की। समिति सदस्य रामखिलाड़ी सिंह, फहीम इरफान और राजेन्द्र कुमार की मौजूदगी में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादंड, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, प्रभागीय वनाधिकारी ईशा तिवारी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव विवेक कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सचिन चन्द्र वैश्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण और कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा मांगा

समिति ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, प्रदूषण नियंत्रण, जिला आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों से वर्ष 2025-26 में किए गए निरीक्षण, जांच, जारी नोटिस, कार्रवाई, सीलिंग तथा सील खुलने से संबंधित पूरा विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समिति ने विभागीय कार्यों को अधिक प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

पात्र लोगों को पारदर्शी तरीके से मिले योजनाओं का लाभ

समिति ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गरीब, कमजोर, बेसहारा और असहाय लोगों का किसी भी दशा में उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पहुंचाया जाए। योजना का लाभ दिलाने के नाम पर किसी भी लाभार्थी के शोषण की शिकायत मिलने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

समिति ने आयुष्मान कार्ड धारकों को सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि जनता को स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ हवा, साफ सड़कें, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने पर जोर

बैठक में आवास, शहरी नियोजन, कारागार, खाद्य एवं रसद, गृह, स्वास्थ्य, नगर विकास, लोक निर्माण, राजस्व, जलापूर्ति, पंचायती राज, पर्यावरण, शिक्षा, समाज कल्याण, वन और सिंचाई सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा हुई। समिति ने आवास योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और पात्र लोगों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए। हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए भी हरसंभव प्रयास करने पर जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

हर पेड़ एक उम्मीद के तहत पौधरोपण, बीएसए सहित शिक्षकों का सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में लायंस क्लब प्लेटिनम के तत्वावधान में नगर क्षेत्र स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला में बुधवार को हर पेड़ एक उम्मीद अभियान के तहत पौधरोपण एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा विद्यालय परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले, संस्कारों के वाहक, व्यक्तित्व के निमार्ता और राष्ट्र निर्माण के प्रथम शिल्पकार होते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है। पौधे पृथ्वी का गहना हैं और उनका संरक्षण भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने कहा कि वर्तमान समय में पौधरोपण सबसे बड़ी आवश्यकता है। पर्यावरण असंतुलन और प्रदूषण बढ़ने के कारण प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। विद्यालयों में इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं को पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी, एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विजय कुमार गर्ग और शिवा पाठशाला की प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष विवेक गर्ग अधिवक्ता, सचिन जिंदल, सचिन गोयल सर्राफ, प्रवीण सेठी, सभासद अजय भास्कर, व्यापारी सुरक्षा फोरम के जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, धीरखेड़ा औद्योगिक संघ के सचिव धीरज चुग सोनू, मध्याह्न भोजन प्रभारी प्रदीप सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में सपा कार्यकताओं में रोष, राज्यपाल को भेजेंगे ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर बुधवार को आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के खिलाफ पूर्व सांसद द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणी को लेकर कार्यकताओं ने कड़ा रोष जताया। बैठक की अध्यक्षता नैन सिंह पाल ने की, जबकि संचालन विजय पाल ने किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत एवं सामाजिक सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा स्वीकार नहीं की जा सकती।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव डॉ. लाखन सिंह पाल ने कहा कि श्याम लाल पाल पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होने के साथ पाल समाज के सम्मानित नेता भी हैं। उनके प्रति कथित रूप से अमर्यादित भाषा का प्रयोग कार्यकताओं और समाज की भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर कार्यकताओं और समाज के लोगों में भारी नाराजगी है तथा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मामले के विरोध में जल्द ही जिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को ज्ञापन भेजा जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से संबंधित पूर्व सांसद के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी। कार्यकताओं ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सार्वजनिक व्यक्तियों के सम्मान का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रमेश तोमर, जिला महासचिव धनंजय सिंह यादव, प्रवक्ता अखलाक पप्पू, महिला जिलाध्यक्ष प्रभा चौधरी, कोषाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, भुवनेश्वर पाल, संजय पाल, मुकेश पाल, राजाराम पाल, देवानन्द भूईयार, डॉ. वीरेंद्र पाल, मगन पाल, एल.पी. पाल, धर्मपाल, महेंद्र पाल, शीशम पाल, देशवीर पाल और सुरेंद्र वाल्मीकि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के लोग मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ के बाद गोवंश अवशेष मामले का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नहटौर थाना पुलिस ने मूसेपुर गांव के जंगल में मिले गोवंश पशुओं के अवशेष के मामले का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और घटना में इस्तेमाल किए जाने वाले कथित उपकरण बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव के अनुसार, पांच सितंबर को नहटौर थाना क्षेत्र के मूसेपुर गांव के जंगल में गोवंश पशुओं के अवशेष मिले थे। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। 8 और 9 सितंबर की मध्यरात्रि पुलिस टीम ग्राम सराय असनारा के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया। आरोप है कि दोनों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी के पैर में गोली लगी और वह बाइक समेत गिर पड़ा, जबकि दूसरा आरोपी फरार हो गया। पकड़े गए घायल आरोपी की पहचान इकराम उर्फ भूरा निवासी ताहरपुर सैद उर्फ तरकौला, थाना नहटौर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से तमंचा, कारतूस, चापड़, कुल्हाड़ी, छुरी और लकड़ी का गुटका बरामद किया है। फरार आरोपी की पहचान इमरान के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर मामले में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू की मासिक पंचायत, समाधान न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक पंचायत चांदपुर में आयोजित हुई, जिसमें क्षेत्र के किसानों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से मंथन किया गया। पंचायत में किसानों ने समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग उठाई। पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाएगा। पंचायत की अध्यक्षता चौधरी लुधियान सिंह ने की, जबकि संचालन हेमेंद्र पाल सिंह फौजी ने किया। बैठक में किसानों ने गन्ने की पर्चियों को लेकर आ रही परेशानियों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों का कहना था कि पर्चियां समय पर नहीं मिलने से उन्हें गन्ने की आपूर्ति को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा बिजली के बिलों में हुई बढ़ोतरी को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि बिजली बिलों की व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, ताकि अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। पंचायत में आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान का मुद्दा भी उठाया गया। किसानों ने मांग की कि आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए। इसके साथ ही हाल में आई बाढ़ से प्रभावित फसलों का उचित सर्वे कराकर किसानों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की गई। पंचायत को मीडिया प्रभारी निरवैर सिंह वड़ैच, हेमेंद्र सिंह फौजी, चौधरी रामपाल सिंह, प्रताप सिंह सिद्धू, अनिल सिद्धू, मोहित सिरोही, नमन वड़ैच और महिपाल सिंह ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों की समस्याओं की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। समाधान नहीं होने पर संगठन आंदोलन को व्यापक रूप देने का निर्णय लेगा।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें गंभीरता से सुनीं। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए। जनसुनवाई के दौरान मुख्य रूप से भूमि पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, अतिक्रमण, रास्तों एवं सार्वजनिक सुविधाओं, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति, विद्युत, नाली और साफ-सफाई समेत विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्रों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, प्रभागीय वनाधिकारी ईशा तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डाक बंगला मंदिर में धूमधाम से मनाई कान्हा जी की छठी, श्रद्धालुओं को बांटा प्रसाद

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के डाक बंगला स्थित मंदिर परिसर में भगवान श्रीकृष्ण की छठी पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंदिर परिसर में लड्डू गोपाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया। उन्हें नए वस्त्र पहनाकर मोर मुकुट से सजाया गया। सुंदर श्रृंगार के बाद श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ बाल गोपाल की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कहा कि जन्माष्टमी के बाद घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण की छठी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। भगवान के बाल स्वरूप को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु सात्विक व्यंजन तैयार कर भोग लगाते हैं। उन्होंने कहा कि कढ़ी-चावल और मक्खन-मिश्री का भोग भगवान श्रीकृष्ण को श्रद्धापूर्वक अर्पित किया जाता है। धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक वातावरण बनने के साथ ही आपसी भाईचारा भी मजबूत होता है। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए। कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक, मंडल अध्यक्ष मोनू ठाकुर, कुलदीप बागड़ी, रामनरेश, सोनू, परविंदर पंवार सहित अन्य श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निक्की वर्मा की शैक्षणिक उपलब्धि, स्प्रिंगर नेचर की अंतरराष्ट्रीय पुस्तक में शोध अध्याय को मिली स्वीकृति

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। कस्बे की होनहार बेटी निक्की वर्मा ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। थानाभवन निवासी योगेश वर्मा की पुत्री और गीता विश्वविद्यालय, पानीपत से पीएचडी कर रहीं निक्की वर्मा के शोध अध्याय को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर नेचर की प्रस्तावित पुस्तक में शामिल किए जाने की प्रावधानिक स्वीकृति मिली है। इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ ही क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है।

निक्की वर्मा ने डिजिटल शिक्षा में मूल्यांकन एवं गुणवत्ता आश्वासन विषय पर शोध किया है। उनके शोध में डिजिटल माध्यम से प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यार्थियों के प्रभावी मूल्यांकन से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं का अध्ययन किया गया है। शोध के माध्यम से डिजिटल शिक्षा को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय पुस्तक में शिक्षा के साथ भाषाओं, समानता, विविधता और समाज के सभी वर्गों तक शिक्षा की पहुंच जैसे महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित शोध को शामिल किया जाएगा। पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन संबंधी कार्य लंदन की अकादमिक टीम के निर्देशन में चल रहे हैं। इसमें क्वीन मैरी विश्वविद्यालय, लंदन से जुड़े विशेषज्ञों का सहयोग भी शामिल बताया गया है। निक्की के शोध अध्याय को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित प्रकाशक की पुस्तक में शामिल किए जाने की प्रावधानिक स्वीकृति मिलना क्षेत्र के लिए भी गौरव की बात मानी जा रही है। परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने निक्की वर्मा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि निक्की आगे भी अपने शोध और शैक्षणिक कार्यों से क्षेत्र का नाम रोशन करती रहेंगी।

देशवाल खाप का 15वां मिलन समारोह आयोजित, सामाजिक कुरीतियां दूर करने पर जोर

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। गांव शाहजुद्दी में 9 सितंबर को देशवाल खाप का 15वां मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से आए सैकड़ों खाप बंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ खाप चौधरी शर्नवीर सिंह देशवाल ने हवन-यज्ञ के साथ किया। यज्ञ के ब्रह्मा धर्मवीर आर्य रहे। हरियाणा से पहुंचे देशवाल खाप चौधरी बाबा हुकुम सिंह देशवाल ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए समाज को एकजुट करने तथा सामाजिक बुराइयों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बसेड़ा से आए प्रदीप देशवाल ने देशवाल खाप के ऐतिहासिक महत्व और इतिहास पर प्रकाश डाला। संचालन कर रहे संजीव कुमार अधिवक्ता ने खाप की सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी और खाप द्वारा संचालित लाडली योजना के बारे में बताया। इस दौरान खाप बंधुओं और सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान ने देशवाल खाप चौधरी शर्नवीर सिंह को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। सर्वखाप मंत्री सुभाष बालियान ने समारोह में शामिल सभी खाप बंधुओं का आभार व्यक्त किया। विचार गोष्ठी में लाडली योजना को आगे बढ़ाने, भ्रूण हत्या पर रोक लगाने, नशाखोरी को समाप्त करने, शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाने तथा दहेज प्रथा और मृत्यु भोज जैसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने को लेकर चर्चा हुई।

इसके अलावा शादी-विवाह में होने वाली फिजूलखर्ची बंद करने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सुधार के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। समारोह में नरेंद्र सिंह ब्लॉक प्रमुख, धर्मवीर आर्य बसेड़ा, प्रदीप देशवाल, संजीव देशवाल अधिवक्ता, विकास सिंह चेयरमैन, यशपाल सिंह, विनोद देशवाल, सुभाष बालियान, हरेन्द्र प्रधान, मनोज कुमार, सुरेंद्र सिंह अधिवक्ता, अमित कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मेला छड़ियान के मुशायरे में राकेश टिकैत को मुख्य अतिथि का निमंत्रण

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मेला छड़ियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद खतौली की ओर से आगामी 25 सितंबर को आयोजित होने वाले मुशायरे की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन के लिए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। खतौली नगर पालिका परिषद के चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राकेश टिकैत से मुलाकात कर उन्हें मुशायरे में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर भी चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि राकेश टिकैत के मुशायरे में पहुंचने से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि मेला छड़ियान के अंतर्गत आयोजित होने वाला यह मुशायरा साहित्य, संस्कृति और आपसी भाईचारे को समर्पित विशेष आयोजन होगा, जिसमें क्षेत्र के अलावा अन्य स्थानों से भी शायरों और साहित्य प्रेमियों के पहुंचने की संभावना है।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजकों द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में सभासद एवं मुशायरा संयोजक असद खान शालू, सभासद एवं सहसंयोजक सोनू फरीदी, सभासद एवं सहसंयोजक आशीष कुमार, शाहिद आलम उर्फ पप्पी, प्रसिद्ध शायर फेमस खतौलवी, दानिश, कफील पठान सहित अन्य साथी शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि मुशायरे में साहित्य और शायरी के माध्यम से सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश देने का प्रयास किया जाएगा।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

खेलों को बढ़ावा देने के लिए बीएचयू क्रीड़ा परिषद के सदस्यों ने की बैठक

वाराणसी, एजेंसी। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के सदस्यों और पदाधिकारियो की बैठक मंगलवार को हुई। इसमें अलग-अलग संकायों के खेल इकाईयों के अध्यक्ष और पदाधिकारी शामिल हुए। स्वागत क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. एके नेमा ने किया। उपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने बोर्ड के गठन और कार्यप्रणाली पर जानकारी दी। इसमें पूर्वी जोन की तीन प्रमुख प्रतियोगिताओं हॉकी (पुरुष), हैंडबॉल (पुरुष) और वॉलीबॉल (महिला) की भी जानकारी दी गई। इनका लक्ष्य विवि की खेल उपलब्धियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। बैठक में डॉ. दीपक डोगरा, डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. प्रदीप खलखो, डॉ. हरिराम यादव, डॉ. प्रमोद यादव, डॉ. प्रियंका यादव और डॉ. वैभव राय, प्रो. निर्मला होरो, प्रोफे. मीनू लाकरा मौजूद रहे।

प्रादेशिक बास्केटबॉल सभी छह स्पर्धा में खेलेंगे वाराणसी के खिलाड़ी

वाराणसी एजेंसी। 70वीं माध्यमिक स्कूली बास्केटबॉल की मंडलीय प्रतियोगिता मंगलवार को यूपी कॉलेज में खेली गई। इसमें तीन मंडलों के 175 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसके बालक बालिका वर्ग तीन-तीन वर्ग में मुकाबले खेले गए। यूपी कॉलेज के खिलाड़ियों के खेल के बदौलत वाराणसी की टीम ने बालक बालिका के सभी छह वर्ग में चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में जौनपुर, गाजीपुर और वाराणसी जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता अंडर-14 सब जूनियर, अंडर-17 जूनियर और अंडर-19 सीनियर वर्ग में खेली गई। मुख्य अतिथि यूपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ रमेश प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर खेल शुरू कराया। संचालन आयोजन सचिव उमेश सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन खेल शिक्षक कार्तिक राम ने दिया। रेफरी की भूमिका जीतेंद्र कुमार, विभोर भूगुवंशी, पूनम लता सिंह, सर्वेश सिंह, निखिल सिंह ने निभाई। इस मौके पर संजीव सिंह, सोनू पांडेय, जया सिंह आदि मौजूद रहीं।

कश्मीर से सेब की आवक शुरू, महेवा मंडी में रोज पहुंच रहा 10 टन

गोरखपुर , एजेंसी। मौसम में बदलाव के साथ ही कश्मीर से सेब की नई खेप महेवा मंडी पहुंचने लगी है। करीब एक सप्ताह से कश्मीरी सेब की आवक बढ़ी है। मंडी कारोबारियों के अनुसार रोजाना करीब 10 टन सेब पहुंच रहा है। यहां से सेब की खेप शहर के विभिन्न बाजारों और आसपास के क्षेत्रों में भेजी जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि कश्मीर में सेब की नई फसल तैयार होने के बाद मंडियों में आवक शुरू हुई है। शुरुआती दौर में आवक सीमित होने के कारण फुटकर बाजार में इसकी कीमत करीब 120 रुपये किलो बनी हुई है। गुणवत्ता के अनुसार कीमत में थोड़ा अंतर भी है। अच्छी गुणवत्ता और आकार वाले सेब की मांग अधिक है। गोरखपुर फूड्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय कुमार सोनकर ने बताया कि आने वाले दिनों में कश्मीर से सेब की आवक और बाजार में उपलब्धता बढ़ेगी। वहीं कीमतों में भी नरमी आएगी। व्यापारी धर्मेंद्र कुशवाहा ने बताया कि शिमला के सेब की आवक पहले ही शुरू हो गई थी। एक सप्ताह से कश्मीर का ताजा सेब आना शुरू हुआ है।

निरीक्षण में खुली सफाई व्यवस्था की पोल, नालियां और खाली प्लॉट कूड़े से पटे मिले

गोरखपुर, एजेंसी। नगर आयुक्त अजय जैन ने मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद नगर में सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, नाला व सड़क निर्माण और जलकल विभाग के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। रामपुर नया गांव में सफाई व्यवस्था काफी खराब मिलने पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। जगह-जगह कूड़े के ढेर पड़े मिले। नालियां और खाली प्लॉट भी कूड़े व प्लास्टिक से भरे पाए गए। नगर आयुक्त ने सफाई निरीक्षक श्रवण सोनकर को सख्त निर्देश दिया कि प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे के बाद सफाई कर्मचारियों की टीम बनाकर वार्ड की नालियों और खाली प्लॉटों की सफाई सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था को भी प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर आयुक्त ने रामपुर नया गांव में मुकेश गुप्ता के मकान से मिठाई निषाद के मकान तक और अन्य गलियों में चल रहे सीसी नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। भाटी विहार कॉलोनी की विभिन्न गलियों में साइड पटरी और सीसी नाली निर्माण कार्य भी देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों को समय से और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड के पार्षद धर्मदेव चौहान, अधिशासी अभियंता अमरनाथ, जोनल सेनेटरी अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव, सहायक अभियंता जलकल राकेश यादव, मुख्य सफाई निरीक्षक पवन, अवर अभियंता अतुल कुमार समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ईडी ने टीएमसी सांसद के लखनऊ स्थित आवास को खंगाला, देशभर के ठिकानों पर मारे गए छापे

लखनऊ, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता यूनिट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सांसद नदीमुल हक के लखनऊ के अलीगंज स्थित आवास को खंगाला है। वह कोलकाता से एक मीडिया हाउस अखबार-ए-मशरिक का संचालन करते हैं। ईडी ने उनके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद देश भर के आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापा मारा है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम ने उनके आवास को खंगालने के बाद आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ की और वापस चली गई। अधिकारियों के मुताबिक, नदीमुल हक के ठिकानों की जांच के दौरान करीब 60 करोड़ रुपये के लेनदेन की अनियमितताएं मिली हैं। कार्रवाई के दौरान सांसद रांची में थे, जिनसे अधिकारियों ने गहन पूछताछ की है। उनको कोलकाता ले जाया गया है।

बारिश ने रसोई का बजट बिगाड़ा...

आंसू निकाल रहा प्याज, भिंडी के भी चढ़े भाव

लखनऊ, एजेंसी। लगभग हर दिन हो रही बारिश ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। खेतों से सब्जियों की आवक कम होने का असर अब हर बाजार में दिखाई देने लगा है। प्याज, भिंडी, नीबू, अदरक समेत लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। थोक मंडी में प्याज 50 से 60 रुपये किलो बिक रहा है, जबकि फुटकर बाजार में कीमत 65 से 70 रुपये किलो तक पहुंच गई है। एक सप्ताह पहले 80 से 100 रुपये किलो बिकने वाला नीबू अब करीब दोगुनी कीमत पर पहुंच गया है। अदरक के दाम में भी लगभग 50 रुपये किलो की वृद्धि हुई है।

नरही रोड के फुटकर सब्जी विक्रेता लल्लन यादव ने बताया कि मंडी में बढ़े दाम का सीधा असर ग्राहकों पर पड़ रहा है। पहले लोग एक-एक किलो सब्जियां खरीदते थे, अब आधा किलो में ही काम चला रहे हैं। वहीं, डंडइया मार्केट में सब्जी खरीदने पहुंची नगमी ने बताया कि प्याज के दाम एक महीने में दोगुने हो गए हैं। अच्छी प्याज 70-75 रुपये प्रति किलो मिल रही है। लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम में इजाफा हुआ है। घरेलू बजट साधने के लिए दूध, ब्रेड, फल में कटौती करनी पड़ रही है।

पुरनिया में सब्जी खरीद रहे सोबरन ने बताया कि पहले दो-तीन दिन की सब्जी एक साथ खरीद लेते थे, लेकिन अब बढ़े दाम के कारण कम मात्रा में खरीदारी करनी पड़ रही है।

ढूमंडी में प्याज नासिक से नीबू जयपुर, झांसी व आंध्र प्रदेश से आ रहा है। बारिश के कारण सभी हरी सब्जियों की आवक करीब 20-30 फीसदी तक घट गई है। एक सप्ताह में लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम बढ़े हैं। प्रशासन शहर के कुछ स्थानों पर वाहन भेजकर 35 रुपये किलो की दर से प्याज बिकवा रहा है, लेकिन इसके बाद भी करीब 15 दिन बाद ही प्याज के भाव गिरने के कुछ आसार हैं।

मानसून ने बदली चाल, भारी बारिश पर लगा ब्रेक; अब गर्मी और उमस करेगी परेशान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बीते कई दिनों हो रही मानसूनी बारिश के फिलहाल थमने के संकेत हैं। मौसम विभाग का कहना है कि बुधवार से प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ेगा। आगे एक सप्ताह तक प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी के अलावा कहीं भारी बारिश की संभावना नहीं है।

बारिश के कमजोर पड़ने से प्रदेश के ज्यादातर जिलों में अब धूप खिलेगी। इसके साथ ही प्रदेश भर में अगले दो दिन में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़त देखने को मिलेगी। मंगलवार को बस्ती, सुल्तानपुर, कानपुर और सोनभद्र में बारिश हुई। बुधवार के लिए प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी नहीं है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यूपी में मानसून के कमजोर पड़ने के संकेत हैं। हालांकि इस दौरान पूर्वी यूपी और दक्षिणी यूपी में छिटपुट बूंदाबांदी का दौर जारी रहेगा।

राजस्व मामलों में लापरवाही पर सख्त एक्शन, पांच तहसीलदार सस्पेंड

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में शासन ने राजस्व मामलों में लापरवाही और उदासीनता पर कड़ी कार्रवाई की है। लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर 13 तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बीती 7 सितंबर को सभी राजस्व न्यायालयों में उप्र राजस्व संहिता 2006 की धारा-34 के तहत दाखिल वादों की तहसीलवार समीक्षा के बाद यह कार्रवाई की गई है।

निलंबित होने वालों में अमित यादव तहसीलदार संडीला हरदोई, कृष्ण कुमार मिश्रा तहसीलदार देवरिया, सौरभ कुमार तहसीलदार जौनपुर, रंजन वर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या (वर्तमान में तहसीलदार गाजीपुर) और अलख शुक्ला तहसीलदार प्रतापगढ़ शामिल हैं।

राजस्व वादों का निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित करने के सीएम योगी के आदेश की अवहेलना अफसरों पर भारी पड़ रही है। इससे पहले 1 सितंबर को भी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया जा चुका है।

इन्हें कारण बताओ नोटिस

चंद्रशेखर वर्मा तत्कालीन तहसीलदार देवरिया (वर्तमान में तहसीलदार गोरखपुर), गोपालजी तत्कालीन नायब तहसीलदार देवरिया (वर्तमान में नायब तहसीलदार कुशीनगर), रविरंजन कश्यप तहसीलदार जौनपुर, राकेश कुमार तत्कालीन तहसीलदार जौनपुर (वर्तमान में तहसीलदार बलरामपुर), कविता ठाकुर तत्कालीन तहसीलदार बाराबंकी (वर्तमान में तहसीलदार गोंडा), देवानंद तिवारी तत्कालीन तहसीलदार सुल्तानपुर (वर्तमान में तहसीलदार फिरोजाबाद), स्नेहल वर्मा तत्कालीन नायब तहसीलदार अयोध्या (वर्तमान में नायब तहसीलदार लखनऊ), राहुल सिंह तहसीलदार अमेठी, अनिल कुमार तहसीलदार प्रतापगढ़, यजुवेंद्र सिंह नायब तहसीलदार लखनऊ, सुखवीर सिंह नायब तहसीलदार लखनऊ, रमाशंकर मिश्रा नायब तहसीलदार रायबरेली और शार्द सिंह तहसीलदार लखनऊ शामिल हैं। राजस्व परिषद की ओर से इन अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की जा रही है।

आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, अपराध नियंत्रण में लापरवाही पर अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब

मेरठ (शिखर समाचार)। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बुधवार को मेरठ स्थित परिक्षेत्र कार्यालय में चारों जनपदों के पुलिस प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा और आगामी त्योहारों को लेकर कानून व्यवस्था संबंधी बैठक की। बैठक में मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वीडियो माध्यम से जुड़े। इस दौरान अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं, जनसुनवाई, साइबर अपराध, महिला एवं बाल अपराध तथा विभिन्न अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई।

आगामी गणेश चतुर्थी, नवरात्र, रामनवमी, दशहरा, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा मेले को देखते हुए अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। सभी क्षेत्राधिकारियों को त्योहार रजिस्टर का अवलोकन करने और किसी भी नई परंपरा को शुरू नहीं होने देने के लिए कहा गया। गणेश प्रतिमा स्थापना वाले स्थानों की सूची तैयार करने, आयोजकों से संवाद कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा पूर्व विवादों वाले स्थानों को चिह्नित कर असामाजिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान अच्छी विवेचना निस्तारण के लिए क्षेत्राधिकारी नगर बागपत की प्रशंसा की गई, जबकि खराब विवेचना निस्तारण पर क्षेत्राधिकारी शिकारपुर, बुलंदशहर और क्षेत्र में अधिक वारदात होने पर क्षेत्राधिकारी सदर देहात, मेरठ से स्पष्टीकरण तलब किया गया। अधिकारियों को हत्या, लूट और डकैती के लंबित मामलों में गिरफ्तारी तेज करने तथा वांछित अपराधियों पर इनाम घोषित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

डीआईजी ने सभी क्षेत्राधिकारियों को नियमित जनसुनवाई कर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। साइबर अपराध की साप्ताहिक समीक्षा, महिला और बाल अपराधों में त्वरित कार्रवाई, गैंगस्टर एवं निरोधात्मक कार्रवाई बढ़ाने, अवैध शराब, खनन, पशु तस्करी, जुआ और सट्टे पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश भी दिए। सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं की निगरानी और तत्काल खंडन के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न कराने और अपने-अपने जनपदों में बेहतर कार्य करने वाले जनपद प्रभारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार पांच की मौत

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के भैंसाना गांव के पास मुजफ्फरनगर-बुढ़ाना मार्ग पर बुधवार को तेज रफ्तार रोडवेज बस ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बताया गया कि राजपुर गढ़ी निवासी मोमीन (25), बागपत के तमेला गढ़ी निवासी फरमान (25) पुत्र उमरदीन अपनी ढाई वर्षीय बेटी आल्लो के साथ तथा कांधला निवासी इदरीश (45) और साजिद (24) अलग-अलग बाइकों से मुजफ्फरनगर की ओर से बुढ़ाना जा रहे थे। जैसे ही दोनों बाइकें मुजफ्फरनगर रोड पर भैंसाना गांव के पास पहुंचीं, विपरीत दिशा से आ रही बड़ौत डिपो की रोडवेज बस ने दोनों बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दोनों बाइकों पर सवार पांचों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। इनमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को भी मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना मिलने पर एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इंस्पेक्टर सुभाष अत्री ने बताया कि मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस बस चालक की तलाश में जुटी है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एआई बताएगा कौन है सरकारी योजनाओं का असली हकदार

कानपुर एजेंसी। कानपुर। सरकारी योजनाओं का लाभ सही जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने के लिए आईआईटी कानपुर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित फैमिली स्कोर प्रणाली विकसित की है। यह तकनीक सरकारी रिकॉर्ड में पहले से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर परिवारों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का आकलन करेगी। इससे घर-घर जाकर सर्वे कराने की जरूरत काफी हद तक कम होगी और कम समय व खर्च में पात्र परिवारों की पहचान की जा सकेगी।

यह प्रणाली आईआईटी कानपुर के वाधवानी सेंटर फॉर डेवलपिंग इंटेलिजेंट सिस्टम्स, वाधवानी स्कूल ऑफ एआई एंड इंटेलिजेंट सिस्टम्स और एयरावत रिसर्च फाउंडेशन (एआरएफ) ने संयुक्त रूप से विकसित की है। इसका पहला चरण आईआईटी कानपुर और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से पूरा हो चुका है। शुरुआती परीक्षण में एआई आधारित एन्सेंबल मॉडल ने पारंपरिक घरेलू सर्वेक्षणों की तुलना में परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अधिक सटीक आकलन किया।परीक्षण के परिणाम आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए गए, जहां इसकी सराहना हुई। आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि उपलब्ध सरकारी आंकड़ों और एआई की मदद से जरूरतमंद परिवारों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी व प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास है। इससे महंगे और समय लेने वाले सर्वेक्षणों पर निर्भरता कम हो सकती है।

पारदर्शी होगी प्रक्रिया, अंतिम निर्णय अधिकारियों के हाथ : वाधवानी स्कूल ऑफ एआई एंड इंटेलिजेंट सिस्टम्स के डीन प्रो. नितिन सक्सेना ने बताया कि प्रणाली की खासियत इसकी पारदर्शिता है। यह केवल परिवार का स्कोर नहीं बताती, बल्कि यह भी स्पष्ट करती है कि स्कोर किन कारणों से मिला। इससे अंतिम निर्णय का अधिकार अधिकारियों के पास ही रहेगा। एआरएफ के सीईओ मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि एयरावतओएस सैटेलाइट, सेंसर, सरकारी रिकॉर्ड और फील्ड रिपोर्ट समेत विभिन्न स्रोतों के आंकड़ों को एक मंच पर लाकर एआई से उनका विश्लेषण करता है।

21.21 करोड़ से ऐतिहासिक गलियों को मिलेगा हेरिटेज लुक

सारनाथ-मैदागिन में बनेंगे फूड स्ट्रीट हब, संवरेंगे 119 पार्क, रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

वाराणसी, एजेंसी। काशी की शहरी सुविधाओं और विरासत को नया रूप देने के लिए 69.21 करोड़ रुपये की दो बड़ी परियोजनाओं पर सोमवार को मुहर लगी। बीपीसीएल अपने सीएसआर मद से 48 करोड़ रुपये खर्च कर 119 सार्वजनिक पार्कों का कायाकल्प करेगा, जबकि 21.21 करोड़ रुपये से ठठेरी गली-काल भैरव मंदिर, गोदौलिया-मैदागिन और मणिकर्णिका घाट से जुड़ी विरासत गलियों का पुनर्विकास होगा। सारनाथ और मैदागिन में आधुनिक फूड स्ट्रीट हब भी विकसित किए जाएंगे। नदेसर स्थित ताज होटल में मेयर अशोक कुमार तिवारी, मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और बीपीसीएल के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक संजय खन्ना की मौजूदगी में दोनों परियोजनाओं के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के तहत बीपीसीएल 48 करोड़ रुपये का सीएसआर योगदान देगा। इससे शहर के 119 सार्वजनिक उद्यानों का पुनर्विकास और सुंदरीकरण किया जाएगा।

पार्कों में केवल हरियाली बढ़ाने तक काम सीमित नहीं रहेगा, बल्कि लैंडस्केपिंग, वॉकिंग पाथवे, ओपन जिम, बच्चों के खेल उपकरण, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था और बागवानी जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। दोनों परियोजनाओं को 36 महीने की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यानी अगले तीन वर्षों में काशी के कई सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और प्रमुख विरासत मार्गों की तस्वीर बदलने की योजना है।

एमओयू के दौरान बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक (एचआरएस) डी. पार्थसारथी, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा, केआईपीआरएफ के निदेशक अमरेंद्र तिवारी समेत जिला प्रशासन और बीपीसीएल के अधिकारी मौजूद रहे।

सारनाथ और मैदागिन में फूड स्ट्रीट हब : इसी परियोजना में सारनाथ और मैदागिन में दो आधुनिक फूड स्ट्रीट हब विकसित किए जाएंगे। यहां अनियोजित वेंडिंग की जगह व्यवस्थित वेंडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। फूड स्ट्रीट में जल एवं स्वच्छता सुविधाएं, सीसीटीवी निगरानी, सौर प्रकाश व्यवस्था और आगंतुकों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना को बीपीसीएल, काशी इंटीग्रेटेड पार्किंग एंड रिक्रिएशनल फाउंडेशन (केआईपीआरएफ) और वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड (वीएससीएल) की संयुक्त साझेदारी से लागू किया जाएगा।

दूसरे एमओयू के तहत बीपीसीएल और वाराणसी विकास प्राधिकरण के बीच 21.21 करोड़ रुपये की परियोजना पर करार हुआ है। इसके तहत काशी के प्रमुख ऐतिहासिक मार्गों और गलियों का विरासत के अनुरूप पुनर्विकास किया जाएगा। ठठेरी हेरिटेज गली से काल भैरव मंदिर तक विरासत गलियारे का कायाकल्प और गोदौलिया चौराहा से मैदागिन चौराहा तक भवनों के अग्रभाग का सौंदर्यीकरण और मणिकर्णिका घाट से मणिकर्णिकेश्वर मंदिर की ओर जाने वाली गली का पुनर्विकास। इन स्थानों पर विरासत के अनुकूल सड़क निर्माण, पत्थरों की पक्की सड़क, फसाद नवीनीकरण, हेरिटेज लाइट, साइनबोर्ड, स्ट्रीट फर्नीचर, म्यूरल, सार्वजनिक कला और पैदल यात्रियों के अनुकूल सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

फलैदा गौशाला में 5000 पौधे रोपे, 600 निराश्रित गोवंश के लिए विकसित की गई आधुनिक व्यवस्था

दो एकड़ में विकसित किया गया लॉन, सीसीटीवी से होगी गोवंश की निगरानी

जेवर (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बुधवार को फलैदा स्थित गौशाला के नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने गौशाला परिसर में वृक्षारोपण किया। प्राधिकरण की ओर से गौशाला को हरित और बेहतर सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए विभिन्न कार्य कराए गए हैं।

गौशाला परिसर में करीब 5000 पौधे रोपित किए गए हैं और लगभग दो एकड़ क्षेत्र में लॉन विकसित किया गया है। यहां करीब 600 निराश्रित गोवंश के रहने की व्यवस्था की गई है। गोवंश की सुरक्षा और नियमित निगरानी के लिए गौशाला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे गोवंश की गतिविधियों और उनकी देखभाल पर लगातार नजर रखी जा सकेगी।

गोबर और गौमूत्र से तैयार होंगे उपयोगी उत्पाद

गौशाला में गोबर, खाद और गौमूत्र का उपयोग कर अगरबत्ती तथा धूपबत्ती बनाने के लिए उपकरण भी लगाए गए हैं। इस पहल से गौशाला से निकलने वाले जैविक पदार्थों का उपयोग उपयोगी उत्पाद तैयार करने में किया जा सकेगा। इससे स्वच्छता के साथ-साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

वर्षा जल संचयन के लिए तालाब का निर्माण

परिसर में जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए गौशाला के बीच में तालाब का निर्माण कराया गया है। इसका उद्देश्य वर्षा जल का संचयन करना है। पौधरोपण, हरित क्षेत्र और जल संरक्षण की व्यवस्थाओं से गौशाला परिसर को पर्यावरण के अनुकूल विकसित करने का प्रयास किया गया है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने अधिकारियों से नवीनीकरण कार्यों की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनीष मीणा, राजेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार भाटिया, विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी महराम सिंह, परियोजना महाप्रबंधक राजेन्द्र भाटी, उद्यान उप निदेशक आनन्द मोहन सिंह सहित प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी और ग्रामवासी मौजूद रहे।

एआई और विधिक प्रौद्योगिकी से बदल रहे कानून के क्षेत्र में करियर के अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, ग्रेटर नोएडा के विधि विभाग की ओर से महाविद्यालय के मूट कोर्ट हॉल में विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विधि के बदलते स्वरूप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विधिक प्रौद्योगिकी, आवश्यक व्यावसायिक दक्षताओं तथा कानून के क्षेत्र में उभरते रोजगार और करियर अवसरों से परिचित कराना था। कार्यक्रम जिम्स समूह के अध्यक्ष डॉ. अमित गुप्ता के संरक्षण तथा जिम्स ईएमटीसी के निदेशक प्रो. डॉ. सचिन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। विधि विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. डॉ. पल्लवी गुप्ता और प्रो. डॉ. ए.के. त्यागी की उपस्थिति ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता नितेश मेहरा ने कहा कि विधि का क्षेत्र तेजी से तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विधिक प्रौद्योगिकी ने कानूनी शोध, दस्तावेज तैयार करने, न्यायिक निर्णयों के विश्लेषण तथा विधिक सेवाओं के स्वरूप में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि भावी विधि-व्यवसायियों के लिए कानूनी ज्ञान के साथ तकनीकी दक्षता, तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता, प्रभावी संवाद, शोध, लेखन कौशल और व्यावसायिक नैतिकता आवश्यक है। नितेश मेहरा ने विद्यार्थियों के साथ अपने न्यायालयीन एवं व्यावसायिक अनुभव साझा करते हुए न्यायालयीन अभ्यास, मुकदमे की तैयारी और विधिक शोध सहित विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने परीक्षा केंद्रित अध्ययन के बजाय व्यावहारिक ज्ञान और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर दिया। प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विधिक प्रौद्योगिकी और करियर से जुड़े सवाल पूछे, जिनका वक्ता ने व्यावहारिक उदाहरणों से समाधान किया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन विधि विभाग के संकाय सदस्य गौरव यादव और नेहा जुनेजा ने किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

शामली (शिखर समाचार)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रचार-प्रसार अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को कैराना में जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष इंदरप्रीत सिंह जोश ने जागरूकता प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के माध्यम से जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जागरूक किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आमजन को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। प्रचार वाहनों के जरिए लोगों को लोक अदालत के लाभ तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के आपसी सुलह-समझौते से निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों का आपसी सहमति से समाधान कराने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में वाहन चालान, बिजली चोरी, बैंक ऋण, पारिवारिक विवाद, दीवानी वाद तथा राजस्व से संबंधित समझौतायोग्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के तहत चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने अधिक से अधिक मामलों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराने का लक्ष्य रखा है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ब्रिजेश कुमार शर्मा, अपर सत्र न्यायाधीश कैराना नवीन कुमार सिंह, अपर सत्र न्यायाधीश पोक्सो अशोक भारतेन्दु, अपर सत्र न्यायाधीश एससी/एसटी सुरेंद्र कुमार राय, नोडल अधिकारी लोक अदालत ऋतु नागर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अक्षयदीप यादव, सिविल जज कैराना गंधर्व पटेल, सिविल जज शामली आंचल कसाना, सिविल जज कैराना जीनत प्रवीन, बार एसोसिएशन कैराना के अध्यक्ष ईशपाल सिंह सहित अधिवक्तागण मौजूद रहे।

शामली में नौवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ, जिलाधिकारी ने रैली को दिखाई हरी झंडी

शामली (शिखर समाचार)। नौवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी से किया। शामली कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र में जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेंद्र शुक्ल सहित विभागीय अधिकारियों और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण को देखा और सुना। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर पोषण जागरूकता रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के बेहतर पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। जिलाधिकारी आलोक यादव ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उनके पोषण, स्वास्थ्य और शाला पूर्व शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से फास्ट फूड से दूरी बनाने और भोजन में हरी सब्जियों तथा मौसमी फलों को अधिक शामिल करने की अपील की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। इस दौरान आहार में विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, ताजा भोजन, बाल विकास, मातृ स्वास्थ्य, मोटापा रोकने तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा सहित विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से कहा कि वे गांवों और बस्तियों में पहुंचकर लाभार्थियों को संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दें तथा पोषण एवं शाला पूर्व शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों और ग्रामीणों को भी पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी यामिनी रंजन, बाल विकास परियोजना अधिकारी बाबर खान, अर्चना सिंह, ममता देवी, मुख्य सेविकाएं, जिला समन्वयक संजीव कुमार सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

एमएसएमई उद्यमियों को सरकारी खरीद और नए बाजारों से जोड़ने की पहल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। औद्योगिक बिजनेस एसोसिएशन की पहल पर भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय ओखला तथा आईआईएलएम विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वावधान में सरकारी खरीद एवं विपणन सहायता योजना पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में करीब 150 उद्यमियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि गौतमबुद्धनगर औद्योगिक विकास, परिधान, इलेक्ट्रॉनिक्स और निवेश के क्षेत्र में तेजी से पहचान बना रहा है। जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार की ओर से उद्योगों के लिए अनुकूल कारोबारी वातावरण तैयार करने तथा नए निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं उद्यमियों को सरकारी योजनाओं, सरकारी खरीद, विपणन सहायता और निर्यात के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उद्यमियों को अपने उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के साथ रोजगार सृजन में योगदान देना चाहिए।

कार्यशाला में एमएसएमई मंत्रालय के अधिकारियों और विशेषज्ञों ने सरकारी खरीद प्रक्रिया, सरकारी ई-बाजार, विक्रेता विकास, खरीद एवं विपणन सहायता योजना, निर्यात संवर्धन और बाजार से जुड़ाव की जानकारी दी। उद्यमियों को सरकारी विभागों में विक्रेता पंजीकरण, डिजिटल विपणन, गुणवत्ता प्रमाणन और एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में आईआईएलएम विश्वविद्यालय के कुलपति नील राय, प्रति-कुलपति राजे मोहन, वरिष्ठ प्रबंधक राजकुमार सिंह तथा औद्योगिक बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय, महासचिव सुनील दत्त शर्मा, उपाध्यक्ष नरेश चौहान, राजेश खन्ना, सुधीर त्यागी समेत अनेक उद्यमी और पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने उद्योग हित में संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सरकार और उद्योग जगत के बीच प्रभावी सेतु का कार्य करते हैं।

अनधिकृत बसों के खिलाफ परिवहन विभाग का सघन अभियान, 55 बसों पर कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अनधिकृत रूप से संचालित बसों के खिलाफ परिवहन विभाग ने ऑपरेशन कवच 2.0 के तहत लगातार तीसरे दिन भी सघन प्रवर्तन अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर 9 सितंबर को विभाग की विभिन्न प्रवर्तन टीमों ने जनपद के प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, बस अड्डों तथा अन्य चिन्हित स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने और वैध अभिलेखों के बिना संचालित पाई गई 55 बसों के खिलाफ चालान एवं निरुद्धीकरण की कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान बसों के परमिट, आवश्यक अभिलेखों और संचालन से संबंधित नियमों की जांच की गई। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों ने अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की। यह तीन दिवसीय विशेष अभियान एआरटीओ प्रवर्तन विनीत कुमार मिश्र, अमित राजन राय, अंकिता शुक्ला और आकांक्षा सिंह पटेल सहित अन्य प्रवर्तन अधिकारियों की टीमों द्वारा चलाया गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ भी विशेष कार्रवाई की गई। 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुके डीजल और 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेट्रोल चालित वाहनों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। ऐसे वाहनों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र के माध्यम से स्क्रैप कराने के लिए आवश्यक प्रक्रिया भी शुरू की गई।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अंकिता शुक्ला ने बताया कि आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ कार्रवाई का उद्देश्य वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के साथ ऐसे वाहनों के अनधिकृत संचालन पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराते हुए आगे भी प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सीडीओ सख्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में शिकायतों के निस्तारण, असंतुष्ट प्रतिक्रिया और विशेष रूप से बंद किए गए प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। सीडीओ ने अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ निस्तारित किया जाए, ताकि शिकायतकर्ता को वास्तविक समाधान मिल सके। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायत का निस्तारण करने से पहले शिकायतकर्ता से दूरभाष पर बातचीत की जाए और आवश्यकता होने पर मौके का निरीक्षण भी किया जाए। निस्तारण आख्या में शिकायतकर्ता तथा संबंधित पक्ष के बयान के साथ आवश्यक साक्ष्य भी संलग्न किए जाएं।

उन्होंने असंतुष्ट प्रतिक्रिया वाले मामलों की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। अधिकारियों को आईजीआरएस पोर्टल की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सीडीओ ने उप जिलाधिकारियों को जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को समय से आईजीआरएस पोर्टल पर दर्ज कराने तथा उनके निस्तारण की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिकायतों का प्रभावी और समयबद्ध समाधान होने से आमजन को बेहतर सेवाएं मिलेंगी और शासन-प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजीत कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी परवेज अली सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हनुमान धाम में धूमधाम से मनाई भगवान श्रीकृष्ण की छठी, 56 भोग लगाया

शामली (शिखर समाचार)। हनुमान टीला हनुमान धाम मंदिर में बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण की छठी का महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महोत्सव का शुभारंभ विधि-विधान से भगवान श्रीकृष्ण को पंचामृत स्नान कराकर किया गया। इसके बाद उनका भव्य श्रृंगार कर विभिन्न प्रकार के पकवानों का 56 भोग अर्पित किया गया। पंडित अनिल पांडे ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। मुख्य यजमान रोहित संगल एवं महिमा संगल रहे। पूजा के बाद मुख्य अतिथि सदर विधायक कृष्णा चौधरी, प्रधान सुनील त्रिवेदी, संजीव, राजकुमार मित्तल सहित गणमान्य लोगों और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण को पालने में झुलाकर छठी की बधाइयां दीं। इस दौरान महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान की आरती में शामिल होकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और श्रीकृष्ण के जयकारों से माहौल गूंजता रहा। महोत्सव के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। हनुमान धाम के प्रधान सलिल द्विवेदी ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और धार्मिक भावना को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, पुनीत द्विवेदी, शरद त्रिवेदी, मुकेश मैनेजर, नमन करणवा, भोला, डॉ. उमेंद्र, संजय त्यागी, वंश नामदेव, शिवम गिरी, पंडित दिनेश पाठक, रवि पाठक, नामित सभासद, डॉ. हरिओम पाठक, खुशीराम अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ताला तोड़कर घर से सात लाख के गहने चोरी, बेटियों की शादी के लिए जुटाए थे आभूषण

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव तिरथली में मंगलवार रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए करीब सात लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना का पता पीड़ित परिवार को बुधवार सुबह जागने के बाद चला। पीड़ित ने पुलिस को मामले की शिकायत देकर चोरों का पता लगाकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण यूनुस खां ने बताया कि वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। मंगलवार रात वह परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात किसी समय चोर घर में घुस गए और उस कमरे का ताला तोड़ दिया, जिसमें परिवार का कोई सदस्य नहीं सो रहा था। चोर कमरे में रखे सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। परिवार के किसी सदस्य को चोरी की भनक तक नहीं लगी। बुधवार सुबह जब परिवार के लोग जागे और कमरे की ओर गए तो ताला टूटा हुआ मिला। अंदर सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। जांच करने पर कमरे में रखे आभूषण और अन्य सामान गायब मिले। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब सात लाख रुपये है। यूनुस खां ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटियों की शादी के लिए वर्षों की मेहनत और बचत से आभूषण खरीदकर सुरक्षित रखे थे। चोरी के बाद परिवार सदमे में है और उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ बेटियों के भविष्य को लेकर भी चिंता सता रही है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश की जा रही है।

घर में रखे 52 तोले सोने के जेवरात और दो लाख की नकदी चोरी, परिचित के खिलाफ नामजद प्राथमिकी

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के बढ़पुरा गांव में परिवार के साथ बाहर गए एक व्यक्ति के घर से 52 तोले सोने के जेवरात और दो लाख रुपये की नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घर पर परिचित को छोड़कर जाने की बात कही है। मामले में मायचा गांव निवासी धर्मेंद्र के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि बढ़पुरा गांव निवासी विकास भाटी 21 अक्टूबर की शाम परिवार के साथ गाजियाबाद सामान लेने गए थे। घर की देखभाल के लिए उन्होंने मायचा गांव निवासी धर्मेंद्र को घर पर छोड़ दिया था। बताया गया कि धर्मेंद्र परिवार और घर से अच्छी तरह परिचित था। देर शाम जब विकास भाटी परिवार के साथ वापस घर पहुंचे और आवाज लगाई तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। दरवाजा खोलकर अंदर जाने पर घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा मिला। जांच करने पर अलमारी टूटी हुई थी और उसमें रखे करीब 52 तोले सोने के जेवरात तथा दो लाख रुपये की नकदी गायब थी। परिजनों ने धर्मेंद्र से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उसका फोन नहीं उठा। इसके बाद उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पीड़ित की ओर से घटना के करीब दो सप्ताह बाद धर्मेंद्र के खिलाफ कोतवाली में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस का कहना है कि मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है और आरोपित की तलाश के साथ चोरी हुए सामान के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

हाउस टैक्स को लेकर विवाद बढ़ा, सभासदों ने समाजसेवी के खिलाफ दी तहरीर

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर पंचायत में लागू स्वकर गृह प्रणाली (हाउस टैक्स) को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। नगर पंचायत के निर्वाचित सभासदों ने समाजसेवी संजीव चावला के खिलाफ थाने में सामूहिक तहरीर देकर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। सभासदों का आरोप है कि संजीव चावला व्हाट्सऐप समूह के माध्यम से लोगों को हाउस टैक्स जमा नहीं करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आपत्तिजनक आरोप लगाए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

सभासदों का कहना है कि नगर पंचायत की ओर से लागू स्वकर गृह प्रणाली के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कर जमा किया जाना है। ऐसे में लोगों को कर जमा नहीं करने के लिए प्रेरित करना नगर पंचायत की व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इसी को लेकर सभासदों ने पुलिस से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

वहीं समाजसेवी संजीव चावला ने सभासदों के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका दावा है कि दी गई तहरीर पर कुछ सभासदों के फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं। चावला के अनुसार कुछ सभासदों ने व्यक्तिगत बातचीत में ऐसी किसी तहरीर पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया है। संजीव चावला ने कहा कि हाउस टैक्स का मुद्दा उनका व्यक्तिगत मामला नहीं, बल्कि पूरे कस्बे की जनता से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि वह जनता के हित से जुड़े मुद्दे पर शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कथित फर्जी हस्ताक्षर और कूटरचना के संबंध में जिला प्रशासन से शिकायत करने की बात कही है। मामले में दोनों पक्षों के आरोपों के बीच पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

संपादकीय

रेल पटरियों का विस्तार, विकास की रफ्तार को नई दिशा

देश के विकास की गति केवल सड़कों और हवाई मार्गों से नहीं मापी जा सकती। भारत जैसे विशाल देश में रेलवे आज भी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है और इसलिए रेलवे की क्षमता बढ़ाने का हर बड़ा फैसला सीधे देश की आर्थिक ताकत, रोजगार, व्यापार और आम आदमी की यात्रा से जुड़ता है। बुधवार, 9 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में रेलवे के बहु-ट्रैकिंग विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले इसी दृष्टि से खास महत्व रखते हैं। सरकार ने उच्च घनत्व वाले रेल मार्गों की क्षमता बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उपलब्ध ताजा विवरणों के अनुसार इन परियोजनाओं पर कुल मिलाकर करीब 20,804 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और इनका उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, माल और यात्री ट्रेनों की आवाजाही को सुगम बनाना तथा परिचालन क्षमता बढ़ाना है। इन फैसलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकार अब केवल नई रेल लाइन बिछाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन मौजूदा मार्गों की क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दे रही है जहां यात्री और माल यातायात लगातार बढ़ रहा है। कोलकाता-दिल्ली, चेन्नई-कोलकाता, दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई और बिलासपुर-कटनी जैसे महत्वपूर्ण मार्ग देश के आर्थिक ढांचे की रीढ़ हैं। इन मार्गों पर अतिरिक्त लाइनें बनने से एक ही ट्रैक पर यात्री और मालगाड़ियों के बीच होने वाली प्रतिस्पर्धा कम होगी। इसका सीधा लाभ ट्रेन संचालन की गति और समयबद्धता पर पड़ सकता है। खड़गपुर से झारसुगुड़ा के बीच चौथी रेल लाइन की मंजूरी भी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। करीब 367 किलोमीटर लंबे इस काम पर 6,528 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह मार्ग मुंबई-हावड़ा उच्च घनत्व वाले नेटवर्क का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी तरह दक्षिण भारत में अरक्कोनम-रेणिगुंटा मार्ग पर तीसरी और चौथी लाइन का विस्तार यात्रियों के साथ-साथ औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। इसका अर्थ केवल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि पूरे परिवहन तंत्र में अड़चनों को कम करना है। रेलवे की क्षमता बढ़ने का सबसे बड़ा प्रभाव माल ढुलाई पर पड़ता है। भारत में कोयला, सीमेंट, इस्पात, खाद्यान्न, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक और कंटेनर जैसी वस्तुओं की बड़ी मात्रा रेल के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचती है। जब किसी व्यस्त मार्ग पर क्षमता कम होती है तो मालगाड़ियों को प्राथमिकता और समय निर्धारण के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप माल पहुंचने में समय बढ़ता है और उसकी लागत भी बढ़ती है। अतिरिक्त रेल लाइनें इस समस्या को कम कर सकती हैं। आज जब भारत वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, तब सस्ता, तेज और भरोसेमंद माल परिवहन उसकी आर्थिक प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य है। रेलवे विस्तार का एक महत्वपूर्ण पहलू पर्यावरण भी है। यदि सड़क मार्ग से जाने वाले माल का बड़ा हिस्सा रेल की ओर स्थानांतरित होता है तो डीजल की खपत और सड़क यातायात का दबाव कम किया जा सकता है। इससे प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन घटाने में भी मदद मिल सकती है। सरकार पिछले कुछ वर्षों में रेलवे को आधुनिक, ऊर्जा दक्ष और अधिक क्षमता वाले परिवहन माध्यम के रूप में विकसित करने पर जोर देती रही है। फरवरी 2026 में रेलवे के लिए रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय और उच्च गति वाले गलियारों के विस्तार की दिशा में भी बड़े लक्ष्य सामने रखे गए थे।

~ मौलिक चिंतन ~

प्रेम मांगता नहीं, देता है, प्रेम बांधता नहीं मुक्त करता है; प्रेम शोर नहीं करता, महसूस होता है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं समाधान, संवाद बने जीवन की ढाल

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से ह्यविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्न मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्यइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्न (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2026 की थीम है ह्यआत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलनाह्न। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएं दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं।

मिट्टी के गणेश की स्थापना बने देश का संकल्प, आस्था के साथ पर्यावरण की भी हो रक्षा

कांतिलाल मांडोत

गणेशोत्सव केवल भगवान गणेश की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है।

हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन केवल मूर्ति बनाने की कला सिखाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में एक विचार को जन्म देते हैं।

सबसे बड़ा सवाल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। जब बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जलस्त्रोतों में होता है तो वहां प्रदूषण का दबाव बढ़ जाता है।

जलस्त्रोत केवल इंसानों के लिए पानी का माध्यम नहीं हैं। वे असंख्य जलीय जीवों और वनस्पतियों का घर भी हैं। पानी में जाने वाली ऐसी सामग्री जो प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होती, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। रासायनिक रंगों और अन्य गैर-प्राकृतिक पदार्थों से जल की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे मछलियों सहित दूसरे जलीय जीवों के जीवन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसलिए गणेश प्रतिमा की सामग्री का चयन केवल धार्मिक या सौंदर्य का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भी विषय बन चुका है।

इसके मुकाबले प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करती है। मिट्टी प्रकृति का हिस्सा है और उचित परिस्थितियों में पानी के संपर्क में आने पर प्राकृतिक रूप से वापस मिट्टी में मिल सकती है। इसका अर्थ यह है कि श्रद्धा से स्थापित की गई प्रतिमा उत्सव के बाद प्रकृति पर लंबे समय तक बोझ नहीं बनती। यही कारण है कि मिट्टी के गणेश की स्थापना को केवल एक फैशन या अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे हमारी धार्मिक परंपरा को प्रकृति के साथ जोड़ने वाली जिम्मेदार पहल के रूप में अपनाने की जरूरत है।

मिट्टी के गणेश का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन मिलता है। जब लोग प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता देंगे तो स्थानीय मूर्तिकारों के लिए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। गांवों और छोटे शहरों में पारंपरिक रूप से प्रतिमा बनाने वाले कारीगरों की कला को भी संरक्षण मिलेगा। गणेशोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को मजबूत करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष हो सकता है।

मिट्टी की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया बच्चों के लिए भी रचनात्मक और शिक्षाप्रद अनुभव बन सकती है। धरमपुर की कार्यशाला में बच्चों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें घर ले जाकर स्थापित करने का संकल्प लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को केवल धार्मिक भावना से नहीं जोड़तीं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाती हैं। जिस बच्चे ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए होंगे, उसके लिए प्रतिमा और प्रकृति के बीच संबंध को समझना कहीं अधिक सहज होगा।

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन या नगर निकाय की नहीं हो सकती। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका है। परिवार यदि मिट्टी की प्रतिमा खरीदने या बनाने का निर्णय लेते हैं तो यह बदलाव की शुरूआत होगी। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं बच्चों के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं। धार्मिक संस्थाएं और गणेश मंडल भी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। स्थानीय प्रशासन जलस्त्रोतों की स्वच्छता और सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था के साथ लोगों को प्राकृतिक प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक आस्था के विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आस्था और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्त्रोत हमारे सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। भगवान गणेश स्वयं प्रकृति से जुड़े अनेक प्रतीकों के साथ पूजे जाते हैं। ऐसे में उनके उत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाना हमारी परंपरा की भावना के और करीब ले जाता है।

आज आवश्यकता केवल एक वर्ष मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की नहीं, बल्कि इसे स्थायी सामाजिक संकल्प बनाने की है। यदि एक परिवार से शुरूआत होती है तो धीरे-धीरे पूरा मोहल्ला, शहर और फिर पूरा समाज इससे जुड़ सकता है। आने वाले वर्षों में ऐसा समय आ सकता है जब गणेशोत्सव की पहचान ही पर्यावरण अनुकूल उत्सव के रूप में होने लगे। जब लोग गर्व से कहें कि उनके घर में स्थापित गणेशजी मिट्टी से बने हैं और विसर्जन के बाद वे प्रकृति में ही समा जाएंगे, तब यह उत्सव वास्तव में एक नए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनेगा।

गणेशजी विघ्नहर्ता हैं। आज प्रदूषित होते जलस्त्रोत, घटती जल गुणवत्ता और प्रकृति पर बढ़ता दबाव हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों को कम करने में हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित करना भले ही छोटा संकल्प दिखाई दे, लेकिन करोड़ों परिवार इसे अपना लें तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए इस गणेशोत्सव पर घर-घर से यही आवाज उठनी चाहिए कि आस्था भी रहे, परंपरा भी रहे और प्रकृति भी सुरक्षित रहे।

मिट्टी के गणेश केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि बदलती सोच का प्रतीक बन सकते हैं। यह संकल्प भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा को कम नहीं करता, बल्कि श्रद्धा को प्रकृति की सेवा से जोड़ता है। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी होगी, जब उत्सव के बाद हमारे जलस्त्रोत पहले से अधिक स्वच्छ रहें, जलीय जीवन सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियां भी उसी निर्मल प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसकी रक्षा की जिम्मेदारी आज हमारे हाथों में है। इस बार गणेशजी को घर लाते समय एक संकल्प भी साथ लाना होग।गणेशजी मिट्टी के होंगे और हमारा उत्सव प्रकृति के हित में होगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

ललित गर्ग

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी।

ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निमार्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निमार्ता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है। यदि तकनीक सुविधा दे, छोटे व्यापारी अवसर पाएं, उपभोक्ता सुरक्षित रहे, कामगार को सम्मानजनक रोजगार मिले, पर्यावरण पर बोझ घटे और कंपनियां टिकाऊ मुनाफे के साथ आगे बढ़ें, तभी यह विस्तार वास्तविक आर्थिक प्रगति कहलाएगा। भारत के ई-बाजार के सामने इसलिए एक बड़ा अवसर और एक बड़ी चेतावनी दोनों हैं। 345 अरब डॉलर का लक्ष्य आकर्षक है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस बाजार की गुणवत्ता। हमें ऐसा ई-बाजार चाहिए जो केवल खरीदारी को तेज न बनाए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी, अधिक विश्वसनीय, अधिक मानवीय और अधिक टिकाऊ बनाए। आने वाले वर्षों में जीत उसी की होगी जो ग्राहक को केवल वस्तु नहीं, विश्वास, सुविधा और मूल्य-तीनों एक साथ दे सके। यही ई-बाजार की अगली और सबसे महत्वपूर्ण क्रांति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

~~~~~~~~~

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

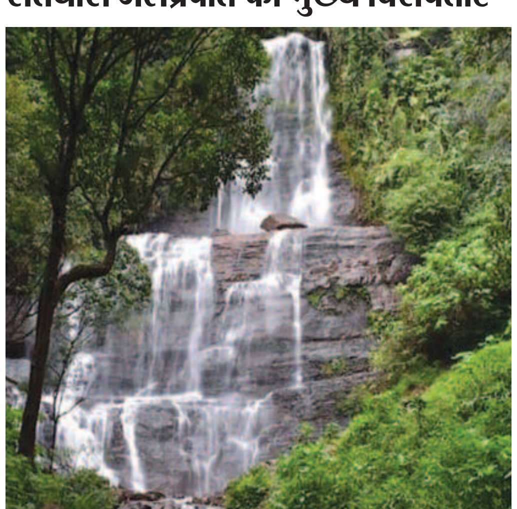

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत शृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थीं, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

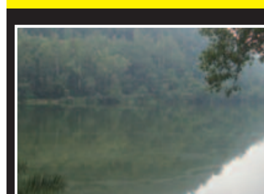

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

सोने का भाव 399 रुपए लुढ़का, चांदी 193 रुपए चढ़ी

सोना 1,52,350 रुपए प्र ति दस ग्राम, चांदी 2,39,700 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं, जिससे महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका गहरा गई है। इस परिदृश्य का असर बुलियन बाजार पर भी दिख रहा है, जहां निवेशकों की भावनाएं मिश्रित हैं। बुधवार को जहां सोने में गिरावट दर्ज की गई, वहीं चांदी में मिलाजुला रुख देखने को मिला, जिसमें घरेलू बाजार में तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी रही। महंगाई की चिंता और ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीद सोने पर दबाव डाल रही है। हालांकि, आर्थिक अनिश्चितता के इस माहौल में महंगाई से बचाव के साधन के रूप में सोने की मांग बनी हुई है। अगस्त माह में निवेश और हेजिंग मांग बढ़ने के साथ-साथ चीन समेत कई केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी ने सोने को एक मजबूत सहारा दिया था। लेकिन बुधवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोना लगभग 4,415 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 22 डॉलर से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी सोने का अक्टूबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने के समय 1,52,350 रुपये के स्तर पर 200 रुपये से अधिक की नरमी के साथ ट्रेड कर रहा था। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, जहां बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 399 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,180 रुपये के भाव पर खुला था। वहीं चांदी के बाजार में बुधवार को अलग तस्वीर देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 270 रुपये से अधिक की तेजी के साथ 2,39,700 रुपये प्रति किलो के करीब कारोबार कर रहा था। यह कॉन्ट्रैक्ट 193 रुपये की तेजी के साथ 2,39,620 रुपये पर खुला था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर चांदी 66.60 डॉलर प्रति औंस के आसपास हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रही थी, जो वैश्विक बाजार में बुलियन की चाल में अंतर को दर्शाता है।

अमेरिका ने कनाडाई डेयरी, पेय पदार्थ और मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध की घोषणा की

- जवाबी शुल्क के बाद ट्रंप का पलटवार, सरकारी खरीद से भी बाहर होंगे कनाडाई उत्पाद

टोरंटो ।

अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार युद्ध और तेज हो गया, जब व्हाइट हाउस ने कनाडा से आने वाले दुग्ध उत्पादों, मादक पेयों और मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। यह प्रतिबंध तीन सप्ताह में लागू होगा। यह कदम कनाडा द्वारा अमेरिका से आयात होने वाले 20 अरब डॉलर मूल्य के सामान पर जवाबी शुल्क लगाए जाने के कुछ ही समय बाद उठाया गया है। कनाडा की जवाबी कार्रवाई के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडाई उत्पादों को अमेरिका की बड़ी और दीर्घकालिक सरकारी खरीद से बाहर करने का भी निर्देश दिया है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक कनाडा अमेरिकी उत्पादों के लिए पूर्ण एवं उचित पारस्परिकता की अनुमति नहीं देता। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका पर देश की निर्भरता कम करने के प्रयासों में तेजी लाने का संकल्प जताया है।

कार्नी ने कहा कि कनाडा अधिक आत्मनिर्भर बनने की रणनीति पर काम कर रहा है ताकि कोई भी देश उसे बंधक न बना सके।

इसी क्रम में, कनाडा यूरोपीय संघ के साथ गहरे संबंधों की संभावनाएं तलाश रहा है, जिसमें मौजूदा समझौतों का विस्तार या नई संधि पर बातचीत शामिल है। कार्नी अगले सप्ताह स्ट्रासबर्ग में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष से मिलकर यूरोपीय संसद को संबोधित करेंगे। यह विवाद दुनिया के सबसे करीबी संबंधों में से एक को झकझोर रहा है, जबकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएं और सुरक्षा संबंध गहराई से जुड़े हुए हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 813, निफ्टी 203 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इस प्रकार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ है। इसका कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंक टूटकर 74,764.23 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 203.60 अंक नीचे आकर 23,431.50 पर बंद हुआ। सत्र की शुरुआत में ही बाजार दबाव में आ गया था, जब सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 75,577.58 से 361.36 अंक गिरकर 75,216.22 पर खुला, और कारोबारी सत्र के दौरान यह अपने दिन के निम्नतम स्तर 74,764.23 तक फिसल गया गया। इसी तरह, निफ्टीभी अपने पिछ्ले बंद 23,635.10 से 113 अंक नीचे 23,522.05 पर शुरुआत की और दिनभर के कारोबार में 23,431.50 के निचले स्तर को छुआ। इसके अलावा व्यापक बाजारों में भी कमजोरी हावी रही। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी आईटी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जिसमें 3.24 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में भी क्रमश 2.23 फीसदी और 1.23 फीसदी की गिरावट देखी गई। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी फार्मा जैसे अन्य प्रमुख सेक्टर भी गिरावट साथ बंद हुए। हालांकि, इस नकारात्मक माहौल के बीच निफ्टी मेटल इंडेक्स में 1.79 फीसदी की अच्छी तेजी दर्ज की गई, जो बाजार के लिए एक मात्र सकारात्मक संकेत रहा।

निफ्टी50 इंडेक्स में शामिल प्रमुख शेयरों में अदाणी इंटरप्राइजेज, मैक्स हेल्थ, अदाणी पोर्ट्स, कोल इंडिया, टाटा स्टील, हिंडाल्को, अपोलो हॉस्पिटल और एनटीपीसी के शेयरों में 1 से 5 फीसदी तक की बढ़त देखी गई और ये दिन के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहें। । इसके विपरीत, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली दर्ज की गई और वे नुकसान उठाने वाली कंपनियों में सबसे आगे रहे।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक अब मध्य पूर्व में संभावित लंबे समय तक चलने वाले टकराव के परिणामों को ध्यान में रखकर कीमतें तय कर रहे हैं। इस लगातार जारी लड़ाई और जवाबी कार्रवाई के चक्र के कारण निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहने की प्रबल संभावना है। वहीं आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान में खुले।

कोफोर्ज चेयरपर्सन ओपी भट्ट ने दिया इस्तीफा

विवेक शर्मा बने अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा कंपनी कोफोर्ज के चेयरपर्सन एवं स्वतंत्र निदेशक ओपी भट्ट ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उनका यह कदम आंतरिक ऑडिट में 'बोर्ड मूल्यांकन रिपोर्ट' (बीईआर) तैयार करने और पेश करने के तरीके पर गंभीर चिंताओं के सामने आने के बाद आया है। कोफोर्ज ने बताया कि आंतरिक ऑडिटर ने भट्ट के मार्गदर्शन में बोर्ड मूल्यांकन प्रक्रिया और पेश की गई रिपोर्ट की समीक्षा की, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों को निदेशक मंडल से कथित तौर पर छिपाए जाने का मामला सामने आया। इस पर निदेशक मंडल ने चिंताएं जताते हुए भट्ट से स्पष्टीकरण मांगा। हालांकि, कंपनी ने कहा कि भट्ट ने उठाए गए मुद्दों पर जवाब दिया और निदेशक मंडल उनके स्पष्टीकरण पर विचार कर रहा था, इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया था। भट्ट ने कहा कि उन्होंने सद्भावना से काम किया था, लेकिन उन्होंने 8 सितंबर से तत्काल प्रभाव से बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे के साथ ही भट्ट कंपनी की बोर्ड समितियों के सदस्य भी नहीं रहे। कोफोर्ज ने यह भी स्पष्ट किया कि यह मामला कंपनी के वित्तीय विवरणों या वित्तीय मामलों से संबंधित नहीं है और इसका निकट, मध्यम या दीर्घावधि में कंपनी के परिचालन या कारोबारी प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। निदेशक मंडल ने गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक विवेक शर्मा को 31 जनवरी, 2027 तक अंतरिम चेयरपर्सन नियुक्त किया है।

गणेशोत्सव 2026ः कोंकण यात्रियों को टोलमाफी का तोहफा

11 से 27 सितंबर तक निजी वाहनों व एसटी बसों को मिलेगी छूट

मुंबई ।

गणेशोत्सव 2026 के अवसर पर कोंकण स्थित अपने गांव जाने वाले लाखों गणेश भक्तों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य सरकार ने 11 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक कोंकण की ओर जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को टोल माफी देने का फैसला किया है। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र सिंह राजे भोंसले ने इसकी जानकारी दी। यह छूट मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग-48, मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 सहित लोक निर्माण विभाग और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के अंतर्गत आने वाले कोंकण मार्गों पर लागू होगी। नगर विकास विभाग के अधीन अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु से कोंकण जाने वाले वाहनों को भी यह लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि इससे श्रद्धालुओं पर यात्रा का अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम हो और उनकी यात्रा सुगम बने। टोलमाफी का लाभ लेने के लिए गणेशोत्सव 2026 कोंकण दर्शन लिखे विशेष स्टिकर या पास जारी किए जाएंगे, जिन पर वाहन नंबर और चालक का नाम दर्ज होगा। ये पास पुलिस स्टेशनों, यातायात चौकियों और आरटीओ कार्यालयों सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर उपलब्ध होंगे और वापसी में भी मान्य रहेंगे। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एसटी) की कोंकण जाने वाली बसों को भी टोलमाफी मिलेगी। लोक निर्माण मंत्री भोंसले ने कहा कि गणेशोत्सव जनभावनाओं से जुड़ा त्योहार है, और सरकार का लक्ष्य भक्तों की यात्रा को सुरक्षित, सुगम व आनंददायक बनाना है।

कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल, ब्रेंट क्रूड लगभग 100 डॉलर

अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया, जिससे ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के बेहद करीब पहुंच गया है। अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर गया है। इस तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित रुकावट का डर है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.43 फीसदी चढ़कर 99.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 99.66 डॉलर तक भी गया।

इसी तरह, अक्टूबर डिलीवरी वाला डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.34 फीसदी की तेजी के साथ 94.28 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो आज 94.78 डॉलर तक पहुंचा। इस अचानक तेजी के पीछे पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात और सऊदी अरब के कुछ ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमले सबसे बड़ी वजह हैं। इससे दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक सऊदी अरब से तेल आपूर्ति बाधित होने का डर बढ़ गया है। तेल बाजार की दूसरी बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव से तेल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है, जिससे आपूर्ति में कमी का डर और गहरा गया है। ब्रेंट क्रूड अब 100 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब है, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि कीमतें लगातार बढ़ती ही रहेंगी। खाड़ी देशों द्वारा वैकल्पिक

मार्गों की तलाश और चीन की मांग में संभावित कमी जैसी बातें कीमतों की तेजी पर कुछ लगाम लगा सकती हैं।

हालांकि, फिलहाल आपूर्ति संबंधी चिंताएं हावी हैं। भारत के लिए यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि वह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरत आयात से पूरी करता है। 100 डॉलर के आसपास बनी रहने वाली कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए आयात बिल बढ़ाएंगी, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और देश में महंगाई बढ़ने की आशंका भी प्रबल होगी। विमानन, पेंट, टायर और रसायन जैसे उद्योगों पर उत्पादन लागत बढ़ने का सीधा असर होगा।

फिलहाल, बाजार की नजर पश्चिम एशिया में तनाव के आगे बढ़ने और होर्मुज से तेल की आवाजाही सामान्य होने पर बनी रहेगी।

अगस्त में महंगी हुई घरेलू थाली, प्याज, तेल और रसोई गैस ने बढ़ाया बोझ

शाकाहारी थाली एक फीसदी तो मांसाहारी थाली पांच फीसदी महंगी हुई

मुंबई ।

अगस्त महीने में घरों में बनने वाले भोजन की लागत में वृद्धि दर्ज की गई है।

क्रिसिल इंटेलिजेंस द्वारा जारी नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, सालाना आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत एक प्रतिशत बढ़कर 29.5 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली पांच प्रतिशत महंगी होकर 57.5 रुपये पर पहुंच गई। रिपोर्ट बताती है कि प्याज, खाद्य तेल, चावल और रसोई गैस (एलपीजी) की ऊंची कीमतों ने थाली की लागत को ऊपर धकेला।

प्याज की कीमत सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जिसका मुख्य कारण महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से आपूर्ति का प्रभावित होना रहा। खाद्य तेल में 11 प्रतिशत और एलपीजी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, आलू की कीमत 12 प्रतिशत और टमाटर की कीमत 28 प्रतिशत घटने से कुल बढ़ोतरी सीमित रही।

मुर्गे के मांस की कीमत में 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के कारण मांसाहारी थाली महंगी हुई। मासिक आधार पर, अगस्त में प्याज की कीमत 17 प्रतिशत बढ़ी, जबकि टमाटर सात प्रतिशत सस्ता हुआ। श्रावण माह के कारण मुर्गे के मांस की कीमत में चार प्रतिशत की मासिक गिरावट आई, जिससे जुलाई की तुलना में अगस्त में मांसाहारी थाली की लागत एक प्रतिशत कम रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के एक अे धिकारी के अनुसार रबी फसल की कम आपूर्ति और खरीफ फसल की आवक में देरी के कारण अगले दो-तीन महीनों तक प्याज की कीमतें ऊंची बनी रहने का अनुमान है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.07 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव रहा। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गई हैं। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर में कमजोरी ने रुपये की गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 94.80 पर खुला। फिर 94.95 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछ्ले बंद भाव के मुकाबले 21 पैसे की गिरावट है। रुपया मंगलवार को 18 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.74 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.76 पर आ गया।

त्योहारों पर हवाई सफर हुआ महंगा, टिकट की कीमतें आसमान पर

त्योहारों पर हवाई सफर हुआ महंगा, टिकट की कीमतें आसमान पर

कई रूट्स पर 340 फीसदी तक महंगा हुआ सफर

नई दिल्ली।

अगर आप दिवाली या दुर्गा पूजा की छुट्टियों में फ्लाइट से घर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो अब आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही एयरलाइंस ने हवाई किरायों में भारी बढ़ोतरी की है। कई रूट्स पर सामान्य दिनों के मुकाबले टिकटों की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं, कुछ मार्गों पर यह वृद्धि 340 फीसदी तक दर्ज की गई है, जिससे यात्रियों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हवाई किराए में इस बेतहाशा वृद्धि का असर प्रमुख रूट्स पर साफ दिख रहा है। विशेष रूप से कोलकाता-देवघर रूट पर सामान्य 2,800 रुपये का किराया बढ़कर 12,500 रुपये से अधिक हो गया है। इसी तरह, दिल्ली-पटना, जहां का टिकट आमतौर पर 3,500-4,500 रुपये में मिलता था, अब 12,500 रुपये से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली-अगत्ती का किराया भी 8,500 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये तक हो गया है, जबकि बेंगलुरु-झारसुगुड़ा का किराया 4,200 रुपये से 16,200 रुपये से अधिक हो गया है। मुंबई से बरेली और कोलकाता जैसे रूट्स पर भी किराए में भारी उछाल देखा गया है, जहां सामान्य 4,500 रुपये का टिकट अब 15,000 रुपये तक और 5,000 रुपये का टिकट 11,500-14,500 रुपये तक पहुंच गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कम प्रतिस्पर्धा वाले मार्गों पर किराये में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस वृद्धि के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, त्योहारी सीजन में हवाई यात्रा की मांग में अचानक उछाल और उपलब्ध सीटों की कमी, क्योंकि एयरलाइंस अपनी कीमतें मांग और सीटों की उपलब्धता के अनुसार निर्धारित करती हैं। दूसरा, 1 सितंबर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 5.46 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे इसकी कीमत 121.28 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

आर्सिल ने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से 220 करोड़ जुटाए

कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम बुधवार से खुला, 11 सितंबर को होगा बंद

नई दिल्ली ।

परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसीआईएल) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से ठीक पहले प्रमुख एंकर निवेशकों से 220 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। कंपनी का आईपीओ बुधवार को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुल गया है, जिसमें बड़े संस्थागत निवेशकों ने अपनी रुचि दिखाई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, आर्सिल ने एंकर निवेशकों को 139 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.58 करोड़ शेयर आवंटित किए हैं। यह मूल्य आईपीओ के 132-139 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे का ऊपरी स्तर है, जो कंपनी के प्रति निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

जिन प्रमुख निवेशकों ने इन शेयरों में निवेश किया है, उनमें गोल्डमैन सैक्स इंडिया एसेट मैनेजमेंट कंपनी, व्हाइटओक कैपिटल, बंधन म्यूचुअल फंड, जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड, ग्रो म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, बजाज लाइफ इंश्योरेंस, सोसाइटी जेनरल, बीओएफए सिक्योरिटीज यूरोप एसए और इंटीग्रेटेड कोर स्ट्रैटेजीज एशिया जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

यह आईपीओ 11 सितंबर को बंद होगा और पूरी तरह से 5.27 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसमें कोई नए शेयर जारी नहीं किए जा रहे हैं, जिसका अर्थ है कि आर्सिल को आईपीओ से कोई प्रत्यक्ष राशि प्राप्त नहीं होगी। शेयर बिक्री से प्राप्त संपूर्ण राशि बेचने वाले शेयरधारकों को मिलेगी। आर्सिल एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी है जिसका मुख्य कार्य बैंकों और वित्तीय संस्थानों की फंसी हुई परिसंपत्तियों को खरीदकर उनके समाधान और पुनर्गठन का प्रबंधन करना है।

अदाणी एयरपोर्ट्स को मिला 1 अरब डॉलर का निवेश

वैश्विक दिग्गजों ने भारत की विमानन वृद्धि पर जताया भरोसा

नई दिल्ली ।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने वैश्विक एवं घरेलू निवेशकों के एक समूह से लगभग 1 अरब डॉलर की नई इक्विटी पूंजी जुटाने की घोषणा की है। अल्फा वेव ग्लोबल, टेमासेक, प्रेमजी इन्वेस्ट और ब्लैकरॉक सहित प्रतिष्ठित फंडों द्वारा यह निवेश किया जा रहा है, जिससे एएएचएल का प्री-मनी मूल्यांकन लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है। यह पूंजी भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे के विस्तार, आधुनिकीकरण और एकीकृत हवाई अड्डा-शहरों के विकास पर केंद्रित होगी, जो देश के तेजी से बढ़ते विमानन बाजार में विश्वास को रेखांकित करता है। यह भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वित्तीय संस्थानों द्वारा किए जाने वाले सबसे बड़े प्राथमिक इक्विटी निवेशों में से एक है। निवेशकों ने एएएचएल के साथ तीन चरणों में नए इक्विटी शेयर खरीदने के लिए बाध्यकारी समझौते किए हैं, जिसके जुलाई 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। इन चरणों के पूरा होने के बाद, निवेशकों का समूह एएएचएल में सामूहिक रूप से लगभग 5.54 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगा। जुटाए गए धन का उपयोग एएएचएल के हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे के विस्तार और आधुनिकीकरण, एकीकृत हवाई अड्डा-शहर परिवेश विकसित करने और ग्राउंड हैंडलिंग सहित गैर-विमानन व्यवसायों का विस्तार करने में किया जाएगा। इन निवेशों से मंच की सालाना लगभग 20 करोड़ यात्रियों को सेवाएं देने की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। एएएचएल के एक गैर-कार्यकारी निदेशक ने इस साझेदारी को मंच के विस्तार में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, जबकि कंपनी सीईओ ने एएएचएल को दुनिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा मंच बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। अदाणी एंटरप्राइजेज की यह अनुषंगी भारत में आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है और देश के कुल यात्री यातायात में इसकी हिस्सेदारी 23 प्रतिशत से अधिक है।

ब्रिक 2026 को मिले वैश्विक नॉलेज पार्टनर, चावल उद्योग को मिलेगी नई दिशा

आईआरआरआई, ईवाई और एसएंडपी ग्लोबल की विशेषज्ञता से राष्ट्रीय राजधानी में होगा गहन मंथन

नई दिल्ली ।

भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) ने भारत अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) 2026 के लिए तीन वैश्विक संस्थानों - अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई), ईवाई और एसएंडपी ग्लोबल को 'नॉलेज पार्टनर' बनाया है। 23 से 25 अक्टूबर, 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन वैश्विक चावल उद्योग के सामने मौजूद चुनौतियों और अवसरों पर गहन चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करेगा। आईआरईएफ के अनुसार, इन भागीदारों को शामिल करने का उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान (आईआरआरआई), बाजार एवं जिंस संबंधी जानकारी (एसएंडपी ग्लोबल) तथा कारोबारी रणनीति (ईवाई) जैसे विशेषज्ञता के तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को एक साथ लाना है। यह साझेदारी ऐसे समय में हो रही है जब वैश्विक चावल उद्योग मांग में बदलाव, कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ती लॉजिस्टिक लागत जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। सम्मेलन में वैश्विक मांग-आपूर्ति, मूल्य पूर्वानुमान, नए बाजार और टिकाऊपन जैसे विषयों पर नौ ज्ञान सत्र आयोजित किए जाएंगे। आईआरआरआई अपनी वैज्ञानिक विशेषज्ञता से चावल उत्पादन व टिकाऊपन में मदद करेगा, वहीं एसएंडपी ग्लोबल बाजार एवं जिंस संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएगा। ईवाई अपनी कारोबारी और रणनीतिक विशेषज्ञता से इन जानकारियों को ठोस फैसलों में बदलने में सहायक होगा। इन तीनों की सहभागिता से उत्पादन से लेकर वैश्विक बाजारों और कारोबारी फैसलों तक ज्ञान की एक पूरी श्रृंखला तैयार होगी। 30 अगस्त तक, 138 देशों के 3,317 खरीदार पहले ही इस सम्मेलन के लिए पंजीकरण करा चुके हैं, जो इसकी वैश्विक प्रासंगिकता को दर्शाता है।

सार-समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग

श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा

हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट

करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।

गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलन डी' ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली। पेरिस सेंट-जर्मन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलयन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने

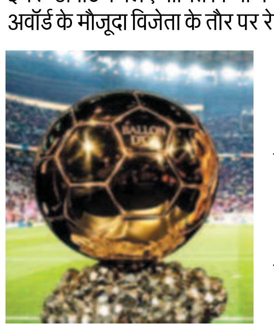

एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया।

जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर

यूएस ओपन: क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

नई दिल्ली । बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया था। हालांकि, बेन शेल्टन ने उनका खिताब का बचाव करने का अभियान रोक दिया।

अल्काराज इस बार अपना आठवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और यूएस ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने की कोशिश कर रहे थे। अगर वह ऐसा कर लेते, तो रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन ट्रॉफी सफलतापूर्वक बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाते। यह स्पेनिश खिलाड़ी अपना आठवां मेजर खिताब जीतने और रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन का खिताब बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा था।

अल्काराज मेजर टूर्नामेंट्स में लगातार 18 जीत के सिलसिले के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरे थे। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिसमें 2025 यूएस ओपन की जीत और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतना शामिल था। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने थे। शेल्टन अब सेमीफाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ी अपने पहले मेजर फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे। टियाफो के साथ मुक़ाबलों में शेल्टन 3-1 से आगे हैं। दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिनमें से दो यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर खेले गए हैं। 2023 में क्वार्टर फाइनल मुकाबला शेल्टन ने जीता था, जबकि 2024 में तीसरे दौर के मुकाबले में टियाफो ने जीत दर्ज की थी।

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।

टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

फाईव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे भारतीय क्रिकेटर

BCCI बोला- खिलाड़ी व्यवस्था से संतुष्ट

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

आवास से जुड़ी समस्या हल हो गई: पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'

- **क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की-** क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की यह पूछे जाने पर शुक्ला ने कहा, 'इसकी व्यवस्था भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई खेल आयोजन समिति और जापान क्रिकेट संघ मिलकर कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'भारत निश्चित तौर पर वहां अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारतीय टीम 22 सितंबर को पहली बार जापान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच (सुजुकी कप) खेलेगी। यह जापान में होने वाला पहला मैच होगा।
- **एसीसी व्यवस्थाओं से संतुष्ट-** शुक्ला ने आवास के मुद्दे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि असली चिंता मैदान, पिच और ड्रेसिंग रूम की स्थिति को लेकर थी। उन्होंने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की टीम नागोया का दौरा कर चुकी है और वहां की व्यवस्थाओं से संतुष्ट है।

महिला एशिया कप: यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारीखेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुककुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमारन ने 6, रिनिथा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था

कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

- **गोलकीपर :** सविता, बिचू देवी खारीबम।
- **डिफेंडर :** इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।
- **मिडफील्डर :** निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
- **फॉरवर्ड :** लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4004

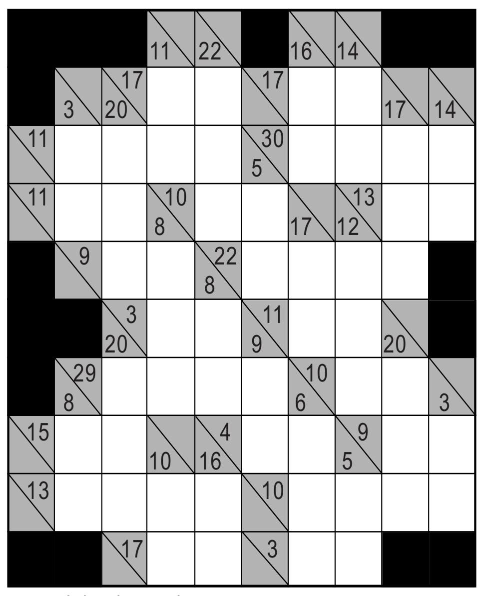

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

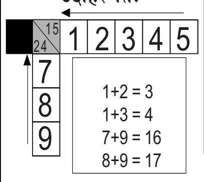

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4003 का हल

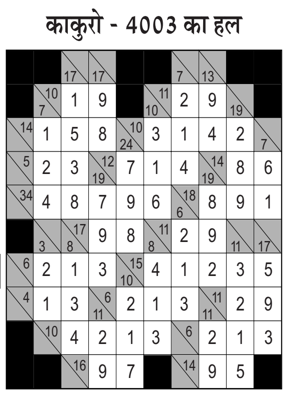

हंसी के फूव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूँ, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूँ, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूँ.

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया ?
नौकर: नहीं हुजूर.
मालिक: क्यों नहीं डाला ?
नौकर: कैसे डालता ? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान, दरवान, वगैरह वगैरह.
बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरवान.

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.
प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

फिल्म वर्ग पहेली- 4004

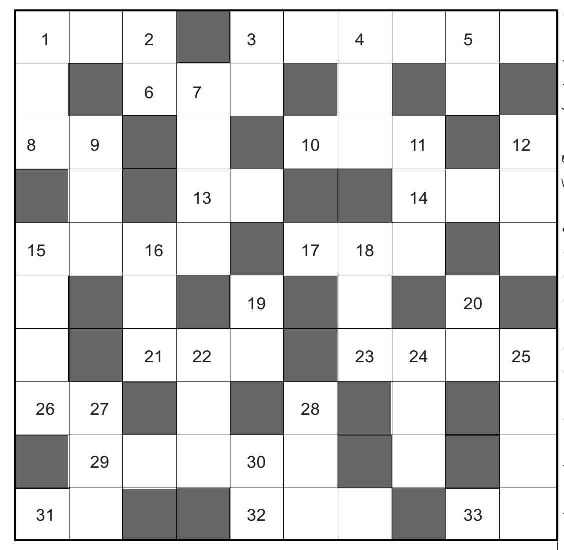

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4003

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	श	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		श		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
र्मी			स	न	म			यु	वा

सूडोकु - 4004

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4003 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -4004

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4003 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप
- दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून
- इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

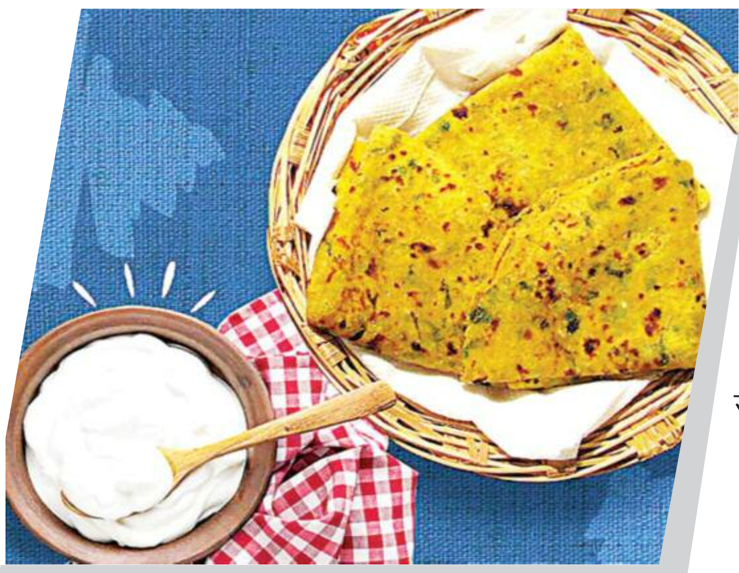

सामग्री

- आटा: 2 कप
- दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी
- हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी
- घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा
- अजवाइन: 1/4 टीस्पून
- 3 हरी मिर्च बारीक काटी
- 1/2 छोटी कटोरी दाल
- नमक: स्वाद के अनुसार
- पराठा सेंकने के लिए तेल
- जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

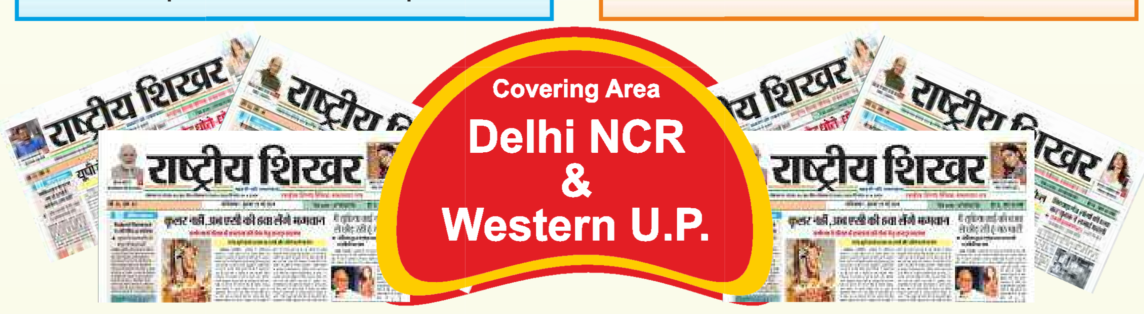

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के बयानों पर दी प्रतिक्रिया

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह एक बार फिर आम्रपाली दुबे के साथ अपने पुराने रिश्ते और पवन सिंह से जुड़े विवाद को लेकर चर्चा में हैं। आम्रपाली दुबे ने हाल ही में शो 'भोजपुरी बवाल' में दावा किया था कि जब अक्षरा के मुश्किल दौर में इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा उनसे दूरी बना रहा था, तब उन्होंने खुलकर उनका साथ दिया था। आम्रपाली ने कहा कि अगर अक्षरा के साथ खड़े होने की वजह से पवन सिंह उनसे नाराज होते या उनके साथ काम नहीं करना चाहते, तो उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। अब अक्षरा सिंह ने आम्रपाली के इन बयानों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह किसी की मदद या अपने रिश्तों का हिसाब लेकर मीडिया के सामने नहीं बैठना चाहतीं। यह बहुत पुरानी बात है और अब इसे बार-बार सामने लाने की जरूरत नहीं है। अक्षरा ने कहा, ''मैं इस बारे में कोई लिस्ट लेकर नहीं बैठी हूं कि मीडिया में आकर यह बताऊं कि मैंने क्या किया, किसने क्या किया या उसने क्या किया। हर इंसान की गरिमा होती है और मुझे लगता है कि हमें इसे मनोरंजन का साधन नहीं बनाना चाहिए। मैं इस बारे में बार-बार क्या ही बोलूं, यह तो बहुत पुरानी बात हो चुकी है। मुझे इन सब बातों पर हंसी आती है। अब यह बात नहीं निकलनी चाहिए। इस बात को जमाना हो गया है।'' अक्षरा ने खास तौर पर आम्रपाली के उस बयान पर भी बात की, जिसमें उन्होंने कहा था कि अक्षरा ने बाहर आकर यह कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, जबकि वह मुश्किल समय में उनके साथ थीं। अक्षरा ने कहा, ''आम्रपाली को मेरी किसी बात से तकलीफ हुई थी, तो उन्हें सीधे फोन करके पूछना चाहिए था। अगर किसी बात को लेकर गलतफहमी थी, तो दोनों के बीच बातचीत से उसे साफ किया जा सकता था। अब वह किसी एक बात को लेकर रो रही हैं। मुझे इस बारे में इतनी जानकारी नहीं है कि वे वास्तव में किस बात को लेकर रो रही हैं। मुझे अभी तक यह भी समझ में नहीं आया है कि आखिर क्या बात हुई है?''

इस पूरे मामले की शुरुआत आम्रपाली दुबे के 'भोजपुरी बवाल' में दिए बयान से हुई। शो में होस्ट शुभंकर मिश्रा ने उनसे सवाल किया था कि उन पर आरोप है कि उन्होंने अक्षरा को छोटी बहन माना, उनके साथ तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन जब अक्षरा मुश्किल दौर से गुजर रही थीं, तब वह उनके साथ खड़ी नहीं हुईं।

इसके जवाब में आम्रपाली ने कहा था कि उन्होंने उस समय अक्षरा का साथ दिया था, जब इंडस्ट्री में यह चर्चा थी कि अक्षरा के साथ नजर आने पर पवन सिंह उनके साथ काम करना बंद कर देंगे। इसके बावजूद उन्होंने अक्षरा के साथ खड़ा होना चुना। उस दौर में जब लोग अक्षरा के साथ तस्वीरें तक खिंचवाने से बच रहे थे, तब मैं उनके साथ खड़ी थी। पवन सिंह के नाराज होने की भी मैंने परवाह नहीं की। जब अक्षरा ने बाद में कहा कि इंडस्ट्री में किसी ने उनका साथ नहीं दिया, तो मुझे बहुत दुख हुआ। अक्षरा को मैंने छोटी बहन दिल से माना था और उनकी बातों ने मुझे चोट पहुंचाई। आम्रपाली ने दावा किया कि पवन सिंह की शादी वाले दिन उन्होंने अक्षरा के लिए उनसे फोन पर बहस की थी। वह पवन से पूछ रही थीं कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं?

दरअसल, अक्षरा सिंह और पवन सिंह का रिश्ता लंबे समय तक भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय रहा। दोनों के रिश्ते के टूटने के बाद अक्षरा ने पवन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। साल 2019 में उन्होंने पवन सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिसमें धमकी देने और सोशल मीडिया पर उनकी छवि खराब करने जैसे आरोप लगाए गए थे। ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने कई मौकों पर यह भी कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में अकेलेपन और मुश्किल दौर का सामना करना पड़ा। वहीं आम्रपाली और अक्षरा की दोस्ती को लेकर भी समय के साथ कई तरह की बातें सामने आती रहीं। इसी बीच अक्षरा अपने काम को लेकर भी चर्चा में हैं। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आएंगी। अक्षरा ने कहा, ''इस फिल्म का हिस्सा बनने पर मैं बेहद खुश हूं ।

'वाइब': अनचाहे मिशन पर निकलेंगे कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने अपनी अगली फिल्म 'वाइब' का ट्रेलर रिलीज किया। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है जिसमें खुद कुणाल भी प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव के मुख्य किरदारों में है। फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर में कॉमेडी और एक्शन दोनों ही सामान्य मात्रा में परोसे गए हैं। कुणाल खेमू की कॉमेडी और स्पर्श श्रीवास्तव के सुलझे हुए अभिनय के साथ अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म फैंस का मनोरंजन कर सकती है। फिल्म वाइब के 2 मिनट 44 सेकेंड के ट्रेलर में रोमांस और कॉमेडी को दिखाया गया है। ट्रेलर में बताया कि कहानी दो दोस्तों हार्दिक (कुणाल खेमू) और बग्स (स्पर्श श्रीवास्तव) की है। बेपरवाह जिंदगी जीने वाले इन दोस्तों को पता चलता है कि देश एक बड़े खतरे का सामना करने वाला है। इस खतरे से निपटने के लिए दोनों को एक मिशन में शामिल किया जाता है, जिसका यह दोनों ही हिस्सा नहीं बनना चाहते। फिल्म में प्रीति जिंटा हार्दिक और बग्स की बॉस बनी हैं। वो भी इसमें एक्शन करती नजर आएंगी। दूसरी तरफ अभिनेत्री वंशिका धीर, कुणाल के साथ रोमांस करती दिखेंगी। इस ट्रेलर में कुणाल की रियल लाइफ सास और दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की भी झलक है।

स्पाई वर्ल्ड में कॉमेडी का मसाला

'वाइब' के ट्रेलर में स्पाई वर्ल्ड से प्रेरित कहानी को कॉमेडी में लपेट कर दिखाया गया है। कुणाल के लिए यह दूसरी फिल्म है जिसका वह निर्देशन करेंगे। 'लापता लेडीज' में एक गंभीर किरदार निभाने के बाद स्पर्श श्रीवास्तव पहली बार कॉमेडी रोल में दिखाई देंगे। प्रीति जिंटा की तो 'बंटवारा 1947' के बाद यह रोल उनके लिए भी कुछ नया है। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शहनाज गिल से तुलना पर बोलीं लवप्रीत गिल

मेरी भी अपनी पहचान है

पंजाब सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री लवप्रीत गिल इन दिनों 'बिग बॉस-20' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अगर वह बिग बॉस के घर जाती हैं तो दर्शक उनकी असली व्यक्तित्व को जान पाएंगे। जब आईएएनएस ने अभिनेत्री से बिग बॉस के घर जाने की वजह पूछी तो लवप्रीत गिल ने बताया कि न जाने की भी कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक कलाकार के तौर पर हम सभी को कुछ नया एक्सप्लोर करना चाहिए। बिग-बॉस एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां आप अपनी असली और बेबाक पर्सनालिटी दिखा सकते हैं।' अभिनेत्री ने बिग बॉस में दोस्ती बनाने को लेकर कहा, 'मैं वहां गेम खेलने जा रही हूं और मेरा पूरा फोकस गेम पर ही रहेगा। सब कुछ सिचुएशन पर निर्भर करता है। मैं सभी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखूंगी।' शो के अंदर खाना बनाने से लेकर सारे काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि खाना बनाना एक अच्छा काम है और हमारे पंजाब में इसे नेक काम भी बोला जाता है। मैं वहां बनाऊंगी भी और सभी को खिलाऊंगी भी। इसका गेम से कोई लेना-देना नहीं है।'

अभिनेत्री लव प्रीत गिल से एक और सवाल पूछा, 'आप बिग बॉस में पंजाबी एक्ट्रेस के तौर पर एंट्री करेंगी। शहनाज गिल से तुलना के बारे में आप क्या सोचती हैं?' अभिनेत्री लवप्रीत गिल ने कहा, 'वह मेरी सीनियर आर्टिस्ट हैं और मेरी खुद की अपनी पहचान है। मैंने भी इंडस्ट्री को कुछ साल दिए हैं। मैं पब्लिक से रिक्वेस्ट करती हूं कि वे समझें कि मेरा अपना नाम है। मेरे परिवार ने मुझे मेरी पहचान दी है। प्लीज मुझे भी प्यार दें और हमारी तुलना न करें।' बिग बॉस-20 में जाने से पहले अभिनेत्री लवप्रीत का मुकाबला रिया अहीर से होगा। दरअसल, दोनों की एंट्री जनता की वोटिंग पर आधारित है। जनता जिसे ज्यादा वोट देगी उसी को बिग बॉस 20 के घर पर जाने का मौका मिलेगा।

हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देने की कोशिश करती हूं

अभिनेत्री अशमेता बख्शी इन दिनों टेलीविजन सीरीज '108 बेस हॉस्पिटल- उरी' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी अभिनय की दुनिया में उनका सफर रोलर-कोस्टर राइड की तरह रहा है। अभिनेत्री का मानना है कि जब आप किसी भी फील्ड में काम करते हैं, तो उतार-चढ़ाव होना आम बात है। उन्होंने बताया, 'मैंने बहुत सारे रोल किए हैं और एक एक्टर के तौर पर, मैं इतने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को खुशकिस्मत महसूस करती हूं। यह एक खूबसूरत सफर रहा है।' अभिनेत्री से ने सवाल किया, 'आपने फिल्म, वेब सीरीज और टेलीविजन में काम किया है, तो आपको इन मीडिया में क्या फर्क लगता है और आपको कौन सा माध्यम ज्यादा सही लगता है?' अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मीडिया कोई भी हो करनी तो आपको एक्टिंग ही है, हमें जो लिखा मिलता है बस उसी में बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। ऐसा कभी नहीं होता कि अगर आप कोई फिल्म कर रहे हैं, तो आप ज्यादा मेहनत करेंगे और अगर आप कोई सीरियल कर रहे हैं, तो आप कम मेहनत करेंगे।' अभिनेत्री ने आगे कहा, ' मुझे लगता है कि मेकर्स को फर्क पता होता है। यह मेकिंग से आता है, चाहे वह डायलॉग्स में हो, किसी चीज को लिखने के तरीके में या खुद मीडियम में, लेकिन एक आर्टिस्ट के लिए, यह बस वह काम है जो वे कर रहे हैं।'

बिग बॉस 20: फोटोग्राफर्स पर क्यों भड़के सलमान खान

फैंस बेसब्री से सलमान खान के शो 'बिग बॉस 20' का इंतजार कर रहे हैं। शो प्रीमियर होने से पहले ही यह काफी चर्चा में है। इस बीच शो के होस्ट सलमान खान का एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें उनको पैपराजी पर नाराज होते हुए देखा जा सकता है।

क्यों नाराज हुए सलमान खान

'बिग बॉस 20' के प्रमोशन के लिए शूटिंग के दौरान एक पैपराजी ने सलमान खान को 'बाबा' कहकर बुलाया। इससे सलमान खान नाराज हो गए। उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा 'बाबा? ये तेरा काम नहीं है। मुझे कैमरा के आगे आने की कोई जरूरत नहीं है।'

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान पैपराजी से परेशान होते हुए दिख रहे हैं। रियलिटी शो के 6 सितंबर को प्रीमियर से पहले उन्हें सेट पर देखा गया। शुरू में तो उन्होंने फोटोग्राफर्स के लिए पोज दिया, मगर बाद में बार-बार फोटो की रिक्वेस्ट से वे चिढ़ गए। शूटिंग के वायरल वीडियो में सलमान खान को सेट के पास फोटोग्राफर्स से बात करते हुए देखा जा सकता है।

एक्टर ने उनसे स्टेज से कुछ दूरी बनाए रखने को कहा। जब रिक्वेस्ट आती रहीं, तो वे अपनी झुंझलाहट जाहिर करते दिखे। सलमान खान 'बिग बॉस' के 20वें सीजन के होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। इस हिंदी रियलिटी शो का प्रीमियर 6 सितंबर को होना है। इसमें माही विज, अर्शिफा खान, ईशा रिखी, रिया अहीर, काजी तौकीर और कनिका मान नजर आ सकते हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' 30 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में आई थी। इस फिल्म में सलमान खान ने रश्मिका मंदाना के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। जल्द ही सलमान खान फिल्म 'मातृभूमि' में नजर आने वाले हैं। इसमें उनके साथ चित्रांगदा सिंह अहम किरदार में होंगी।

अपनी आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं नीति मोहन

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत 'माहिया' आने वाली वेब सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। 'माहिया' में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। 'माहिया' एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, ''माहिया' बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है।

मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है।'' नीति ने आगे कहा, ''इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे।''

संक्षिप्त समाचार

टीवी एंकर चेंग लेई ने तीन साल जेल में गुजारा अमानवीय जीवन, अब पूरी दुनिया को कर रहीं आगाह

सिडनी, एजेंसी। चीन दुनियाभर में अपनी सौम्य और अच्छी छवि दिखाने की कोशिश करता है लेकिन लोगों को उसके दिखावटी चेहरे पर भरोसा करने के बजाय हकीकत की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए। चीन ऐसा देश है जो अपने नागरिकों और विदेश में रहने वाले प्रवासियों को दुश्मन के तौर पर देखता है। यह कहना है चीनी-ऑस्ट्रेलियाई एंकर चेंग लेई का, जिन्हें महज एक मैसेज भेजने के कारण तीन साल चीन की जेल में बिताने पड़े थे। चीन में जन्मीं और ऑस्ट्रेलिया में पली बढ़ी चेंग लेई को बिना किसी ठोस कारण 1,154 दिन तक जेल में अमानवीय यातनाएं सहनी पड़ीं। चेंग लेई को अक्तूबर 2023 में चीन की जेल से रिहा किया गया था और अब वह ऑस्ट्रेलिया में बतौर एंकर काम कर रही हैं। लेकिन जेल से बाहर आने का मतलब यह नहीं है कि उनका संघर्ष खत्म हो गया है। उनका मानना है कि कैद का असर उनके जीवन पर हमेशा रहेगा और एक तरह से यह सजा रिहाई के बाद भी जारी है। तमाम मानसिक आघातों के बावजूद, लेई अब स्कूबा डाइविंग, कॉमेडी और थिएटर के जरिये जिंदगी को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हैं। जेल में बताए अपने अनुभवों के आधार पर वह चीन की सच्चाई पर पूरी दुनिया को आगाह कर रही हैं।

भारत-बांग्लादेश में जल्द बहाल होंगी ट्रेन सेवाएं: मैत्री, बंधन-मिताली एक्सप्रेस पर आज मंथन; नया रूट भी संभव

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच इस सप्ताह यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने पर बातचीत होने जा रही, जो 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के दौरान हुई हिंसक अशांति के बाद से बंद पड़ी हैं। बांग्लादेश रेलवे के अधिकारी मंगलवार से ढाका में भारतीय समकक्षों के साथ दो दिवसीय इंटर-गवर्नमेंटल रेलवे मीटिंग (आईजीआरएम) करेंगे। इसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा शुरू करने के साथ ही एक नए रूट पर भी चर्चा होगी। मैत्री एक्सप्रेस ढाका को कोलकाता से, बंधन एक्सप्रेस खुलना को कोलकाता से और मिताली एक्सप्रेस पहले ढाका को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ती थी। बांग्लादेश की ओर से राजशाही को कोलकाता से जोड़ने वाला नया रूट प्रस्तावित किए जाने की संभावना है। साथ ही मैत्री एक्सप्रेस को जमुना पुल के बजाय नवनिर्मित पद्मा पुल से चलाने का भी प्रस्ताव आ सकता है। अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की सहमति बनी तो अगले महीने से सेवाएं फिर शुरू हो सकती हैं। हालांकि, अंतिम फैसला दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व को लेना होगा।

लेबनान में इस्राइली हमले में 12 की मौत: हूती लड़ाकों का दावा- सऊदी विमान गिराया; प. एशिया में क्या हैं हालात

दुबई, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी इलाके के एक गांव पर इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं इस बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के एक टोही विमान को मार गिराने का दावा किया है। पिछले हफ्ते सऊदी अरब के एक टैंकर पर हमला हुआ था। उसके चालक दल के सात सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस्राइल ने सोमवार तड़के दक्षिणी लेबनान के कफर रुमान गांव पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई। इनमें एक पैरामेडिक, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। यह हमला इस्राइल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के कई लड़ाकों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, ये लोग कफर रुमान में हथियार पहुंचा रहे थे। सेना ने यह भी कहा कि वह इस दावे की जांच कर रही है कि रात के हमलों में कई आम लोग घायल हुए। इस्राइल के अनुसार, ये हमले हिजबुल्ला के उन लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने इलाके में सैनिकों पर विस्फोटक ड्रोन से हमला किया था। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने उत्तरी यमन में सऊदी अरब का एक सशस्त्र टोही विमान मार गिराया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि विमान जौफ प्रांत के हवाई क्षेत्र में देखा गया था। उनके अनुसार, यह सऊदी अरब का विमान था और कथित तौर पर 'दुश्मनी की कार्रवाई' के लिए वहां आया था। इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हूती प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सऊदी अरब के कुल तीन टोही ड्रोन मार गिराए गए हैं। इनमें से एक सोमवार सुबह बायदा प्रांत में देखा गया था।

समुद्र में अमेरिका का कहर: इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता

क्विटो, एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोमवार को प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

अमेरिका ने कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया : अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं।

क्या पहली बार हुई ऐसी कार्रवाई : नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। वे रविवार को बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे। कॉन्क्विस्टा-2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें : मारिया कैंडेलारिया: पिछले सप्ताह प्रशांत महासागर में इस जहाज को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने बाद में इसके 26 सदस्यों को खोज लिया।

कॉन्क्विस्टा-2: इस जहाज के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। उनके परिवार उनके ठिकाने की जानकारी मांग रहे थे।

ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस: इन दोनों जहाजों के चालक दल का कहना है कि अमेरिकी कार्रवाई में उनके जहाज डुबो दिए गए।

तैरते ईंधन केंद्र: अमेरिकी कमान ने ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस को कई जहाजों को अवैध ड्रग तस्करी में मदद देने वाले तैरते ईंधन केंद्र बताया है।

लॉस चोनेरोस कनेक्शन: अमेरिका का कहना है कि निशाना बनाए गए सभी जहाज लॉस चोनेरोस से जुड़े थे। अमेरिका इस संगठन को विदेशी आतंकवादी संगठन मानता है।

पुराने मामलों का विवाद: इस साल तीन अन्य जहाजों के इक्वाडोरियन चालक दल भी अमेरिकी सेनाओं द्वारा रोके जाने की बात कह चुके हैं। इनमें फियोरेला भी शामिल है, जिसके आठ मछुआरे जनवरी से लापता हैं। **मौतों का आंकड़ा:** एक साल से ज्यादा समय में कैरेबियन और प्रशांत क्षेत्र में नावों के खिलाफ अमेरिकी सरकार की 68 कार्रवाइयों में कम से कम 227 लोग मारे गए हैं। इन हमलों की वैधता और प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

क्या अमेरिका के दावे पर भी उठे सवाल : इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जहाज का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

जमीन पर भी ऐसी कार्रवाई करने की तैयारी में अमेरिका : ट्रंप प्रशासन सहयोगी देशों के साथ ऐसे समझौते करने की कोशिश कर रहा है, जिससे अभियान को कई लैटिन अमेरिकी देशों की जमीन तक बढ़ाया जा सके। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा यात्रा के दौरान कहा था कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अपनी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त अमेरिकी सैन्य अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्वाटेमाला ने ऐसा कोई समझौता होने से इनकार किया है। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के संयुक्त अभियान शुरू किए थे।

अमेरिका में करना होगा उत्पादन': ट्रंप की कनाडा की विमान कंपनी को चेतावनी; ओटावा पर क्यों भड़का ईरान

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा की विमान कंपनी बॉम्बार्डियर को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि अगर कंपनी अपने विमान बेचना चाहती है, तो उसे अपना उत्पादन अमेरिका में शुरू करना होगा। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा, अमेरिका में बॉम्बार्डियर की बिक्री अब और नहीं। उनके उत्पाद इतने अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा, उनकी (कनाडा) 50 फीसदी से ज्यादा कमाई अमेरिका से होती है। वे अमेरिकी खरीदारों, अमेरिकी कंपनियों, हवाई अड्डों और सेवाओं पर निर्भर हैं। वहीं, कनाडा पूरे अमेरिका में हमारे महान अमेरिकी बैंकों और कंपनियों को रोकता है।

ट्रंप ने अमेरिकी विमान कंपनी गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा ने इस कंपनी को अपने बाजार में कारोबार करने से गलत तरीके से रोका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस को भी कनाडा में कारोबार करने से रोक दिया। यह पूरी तरह गलत और अनुचित है। वह दौर अब खत्म हो गया। उन्होंने कहा, अगर उन्हें हमारा बाजार चाहिए, तो उन्हें यहां उत्पादन करना होगा। अमेरिका को 'पिगी बैंक' समझना बंद करना होगा। इसके बाद ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी सामान खरीदें। अमेरिकी विमानों से उड़ान भरें। अमेरिकी शराब और पेय का आनंद लें। लेक अमेरिका में नौकायन करें। अमेरिका पहले।' ट्रंप का यह बयान दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार विवाद के बीच आया है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने के बाद तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के सामान पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ ऐसा लंबे समय का व्यापार समझौता चाहता है, जिससे दोनों देशों को फायदा हो। उन्होंने कहा कि कनाडा अपने कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के हितों की रक्षा करता रहेगा। कार्नी ने कहा, हम हमेशा कनाडा, कनाडाई कर्मचारियों और कनाडाई परिवारों के हित में खड़े होंगे। हम किसी आसान जीत या सिर्फ घोषणा की तलाश में नहीं हैं। हम ऐसा समझौता चाहते हैं, जो लंबे समय तक चले। ऐसा समझौता संभव है और यह दोनों के हित में है। कार्नी ने कहा कि ऐसा समझौता कनाडा के कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के साथ-साथ अमेरिकी उपभोक्ताओं, कारोबार और परिवारों के लिए भी फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि कनाडा अब सिर्फ अमेरिका के अगले कदम का इंतजार नहीं करेगा।

यमन में जेल पर सऊदी हमले का आरोप: बच्चे समेत सात की मौत; हूतियों का दावा- लेंगे बदला; तनाव क्यों बढ़ा

काहिरा, एजेंसी। यमन के उत्तरी हिस्से में सोमवार को एक जेल पर हमला हुआ। हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया कि यह हमला सऊदी अरब ने किया। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। कम से कम सात लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक महिला भी है। हमला रणनीतिक रूप से अहम अल-जौफ प्रांत के हज्म शहर में स्थित सेंट्रल करेक्टिव फैसिलिटी पर हुआ। जेल की इमारत का एक हिस्सा हमले के बाद मलबे में बदल गया। जेल वार्डन के मुताबिक, 35 कैदी और पति से मिलने आई एक महिला मलबे में फंसे थे।

हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबही ने सऊदी अरब पर हमले का आरोप लगाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने भी सऊदी अरब पर हवाई हमले करने और जौफ में 'नरसंहार' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक निगरानी ड्रोन भी तैनात किया और भाड़े के लड़ाकों को अलग-अलग हथियार मुहैया कराए। सारी ने कहा, 'यमन के खिलाफ जारी सऊदी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा और उसे सजा मिलेगी।' सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। नहीं। यमन युद्ध के दौरान जेलों और हिरासत केंद्रों पर पहले भी हमले हुए हैं। 2022 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के एक हमले में उत्तरी सादा प्रांत की एक हिरासत सुविधा निशाना बनी थी। इसमें कम से कम 87 कैदियों की मौत हुई थी और करीब 266 लोग घायल हुए थे। सितंबर 2019 में दक्षिण-पश्चिमी धमर प्रांत में हूतियों द्वारा संचालित हिरासत केंद्र पर हमला हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे। यमन में गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ। तब हूती विद्रोही अपने उत्तरी गढ़ से आगे बढ़े और राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को पहले दक्षिण और फिर सऊदी अरब में निर्वासन के लिए जाना पड़ा। सरकार को बहाल करने के लिए अगले साल सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने युद्ध में दखल दिया।

9/11 के 25 साल बाद खुली पुरानी फाइल: अल-कायदा नेता संग दिखा संदिग्ध, एफबीआई ने क्यों नहीं की कार्रवाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के करीब 25 साल बाद ओमर अल-बायूमी को लेकर नए सवाल खड़े हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे पुरानी वीडियो फुटेज सामने आए हैं, जिनमें बायूमी भविष्य के अल-कायदा नेता अनवर अल-अवलाकी के साथ नजर आ रहा है। एक फुटेज में दोनों सैन डिएगो के पास पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। दूसरे वीडियो में बायूमी और अवलाकी एक-दूसरे को गले लगाते नजर आते हैं। खास बात यह है कि इन फुटेज को एफबीआई ने 9/11 हमलों के कुछ ही दिनों बाद हासिल कर लिया था।

पेंटबॉल वाले वीडियो में क्या दिखा : बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 या 1998 की शुरुआत में बनाए गए वीडियो में बायूमी, अवलाकी और दूसरे लोग सैन्य अंदाज में पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। कुछ प्रतिभागियों ने सैन्य वर्दी जैसे कपड़े पहन रखे थे। लड़ाई के दौरान कुछ लोग 'अल्लाहु अकबर' भी चिल्लाते सुनाई देते हैं। एफबीआई अधिकारियों को जांच के दौरान बताया गया था कि इन पेंटबॉल सत्रों का इस्तेमाल कुछ लोग जिहाद की ट्रेनिंग के लिए करते थे। इसी फुटेज में सऊदी अरब के इस्लामिक अफेयर्स मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी की मौजूदगी भी बताई गई है। बायूमी और अवलाकी की नजदीकी वीडियो में साफ दिखाई देती है। फुटेज में सैन्य अंदाज वाले पेंटबॉल मुकाबले दर्ज हैं। कुछ लोगों के जिहाद प्रशिक्षण से जुड़े होने की बात एफबीआई तक पहुंची थी। बायूमी के सऊदी अधिकारियों से संपर्क भी सामने आया था।

बायूमी के पास ऐसा कौन सा सबूत मिला था, जिसने एफबीआई को चौंकाया : 21 सितंबर 2001 को ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बायूमी को गिरफ्तार किया था। तलाशी में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और कम से कम 80 वीडियो टेप मिले। इनमें एक नोटबुक का पन्ना खास था। उस पर एक विमान का चित्र बना था। साथ ही विमान की ऊंचाई और किसी लक्ष्य से उसकी दूरी से जुड़ी गणनाएं भी थीं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 9/11 पीड़ित परिवारों की कानूनी टीम ने इसे बेहद अहम सबूत माना। टीम की सदस्य जोडी वेस्टब्रुक फ्लावर्स ने कहा, 'जब हमें पता चला कि यह क्या था, तो हमें लगा कि हमें उस सबूत का सबसे अहम टुकड़ा मिल गया है, जिसकी तलाश थी।' बाद में एक संघीय जज ने कहा कि यह दस्तावेज अपने चेहरे पर ही बायूमी को 9/11 हमलों की जानकारी से जोड़ता है। यही इस मामले का सबसे बड़ा सवाल है।

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल कल से खुलेंगे, बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। कोई आधी रात को चौंककर उठ जाता है, कोई गुमसुम हो जाता है, तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमें से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के बिधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिप्टी मेयर प्रभा बोगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। इस दौरान राष्ट्र ध्वज को आधा झुका दिया गया और दीये और मोमबत्तियां जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। एजेंसी 2023 में भारत में सुरंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है। महराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारणमादा क्यूलेक्स मच्छर के पनपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों में अब हाईग्रेड फीवर के मरीज भी लगातार बढ़ रहे हैं जिसे जापानी इंसेफेलाइटिस का संकेत माना जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने गहरी चिंता जताई है। महराजगंज के सेहगीबर्वा निवासी रामधारी निशाद, कुशीनगर के तमकोही राज निवासी लोकेश और पीपरी घाट निवासी उज्वल सिंह कहते हैं बाढ़ का दूषित पानी गांव के किनारे तक पानी पहुंच गया है।

ईरान से युद्ध जीतते ही तेल होगा सस्ता': ट्रंप बोले- दो डॉलर से कम होगी गैस; एर्दोगन ने इस्राइल को कैसे घेरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा कि युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने कहा कि गैस की कीमत पहले तीन डॉलर प्रति गैलन तक आ सकती है और अंततः दो डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे जा सकती है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को ईरान की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान का तेल और गैस उत्पादन तंत्र काफी फैला हुआ है और उसकी सुरक्षा आसान नहीं है। गालिबाफ ने कहा, 'हमारी संपत्तियों पर हमला करेंगे तो आप पर भी हमला होगा। हम यह पहले ही साबित कर चुके हैं। उन ठिकानों से पूछिए, जो अब काम करने लायक नहीं बचे।' यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी अधिकारियों की ओर से ईरान के तेल टैंकरों को निशाना बनाने की धमकी दी जा रही है।

अमेरिका ने ईरान के तेल टैंकरों को लेकर क्या कहा : अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर हमला करता है तो अमेरिका उसके तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास न नौसेना बची है और न वायुसेना। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमले का वीडियो भी साझा किया। कमांड के मुताबिक, ये टैंकर अरबों डॉलर के उस नेटवर्क का हिस्सा थे, जिससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड और उसके क्षेत्रीय सहयोगी आर्थिक मदद हासिल करते हैं। सेंटकॉम कमांडर

एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआ तो ईरान की तेल आपूर्ति पर और बड़ी आर्थिक कीमत थोपी जाएगी।

दूसरी ओर, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इस्राइल पर मध्य पूर्व में संघर्ष भड़काने और शांति प्रयासों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई के कारण जून में ईरान और अमेरिका के बीच हुआ 14 सूत्री इस्लामाबाद समझौता पटरी से उतर गया। एर्दोगन ने कहा कि इस युद्ध की कीमत सिर्फ ईरान और खाड़ी देशों को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक शांति को खतरे के रूप में देखने वाली सोच नहीं बदलेगी, तब तक क्षेत्र में संकट खत्म नहीं होगा। समझौते में सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, प्रतिबंधों में राहत और ईरान के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर के अमेरिकी समर्थित आर्थिक विकास कार्यक्रम जैसे प्रावधान शामिल थे। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार का अंत करीब है। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन कमजोर है और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल खुद की रक्षा करने और अपने दुश्मनों पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी दी।

एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाने पर विवाद: बीएपीएस ने जताया खेद, कहा- किसी को अंदर जाने से नहीं रोका

पेरिस, एजेंसी। एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाए जाने के विवाद के बीच बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने आज सफाई देते हुए कहा है कि उसके प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान किसी को भी स्मारक में प्रवेश से नहीं रोका गया था। बीएपीएस ने कहा कि बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखते हुए दौरा एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय कर सुबह के शुरुआती समय में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम परेशानी हो। हालांकि, संगठन ने स्थिति से किसी को हुई तकलीफ के लिए दिल से माफी मांगी और आपसी सम्मान व सेवा के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने के आरोपों के बाद एफिल टावर के कर्मचारियों ने विरोध किया, प्रबंधन से माफी और जांच की मांग की तथा पेरिस के मेयर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

बड़े प्रतिनिधिमंडल की वजह से खास व्यवस्था : बीएपीएस के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल की संख्या काफी ज्यादा थी। इसी वजह से एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके यह दौरा आम लोगों के लिए स्मारक खुलने के समय के शुरुआती हिस्से में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो और उनकी आवाजाही प्रभावित न हो। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उसकी जानकारी के अनुसार, दौरे के दौरान किसी भी समय किसी को एफिल टावर में जाने से नहीं रोका गया। हालांकि, उसने यह भी कहा कि अगर इस पूरी स्थिति से किसी को किसी तरह की परेशानी या तकलीफ हुई है तो वह उसके लिए दिल से माफी मांगता है।

महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोप से शुरू हुआ विवाद : दरअसल, सोमवार को पेरिस का एफिल टावर कुछ समय के लिए बंद रहा। कर्मचारियों ने एक बैठक और विरोध प्रदर्शन किया था। यह विरोध शनिवार को हुए एक दौरे से जुड़ा था, जिसमें करीब 100 लोगों का हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल एफिल टावर पहुंचा था।

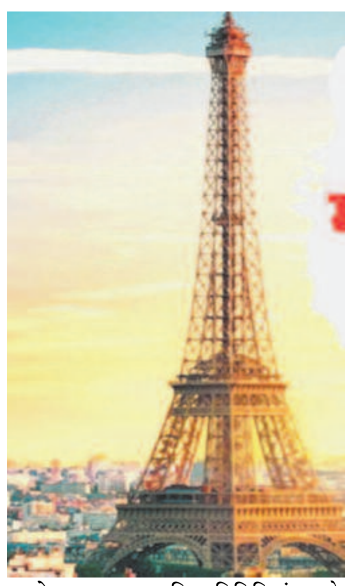

आरोप लगाया गया कि प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान कुछ महिला कर्मचारियों को उनकी काम की जगह से हटने के लिए कहा गया और उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। इस घटना ने कर्मचारियों के बीच नाराजगी पैदा कर दी।

बीएपीएस से जुड़ा था प्रतिनिधिमंडल : शनिवार को एफिल टावर पहुंचा यह प्रतिनिधिमंडल बीएपीएस से जुड़ा हुआ था। यह समूह पेरिस के पास बने एक बड़े हिंदू मंदिर के उद्घाटन से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए फ्रांस आया था। यूनियन प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल के गुजरने के दौरान महिला कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी की जगह छोड़ने के लिए कहा गया। उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किए जाने पर यूनियन ने सवाल उठाए और इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। यूनियन प्रतिनिधि डायने डावोइन ने कहा कि इस घटना को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा धीरे-धीरे बढ़ा और ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होनी चाहिए, जिसमें महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए।

कर्मचारियों की बैठक के बाद एफिल टावर खुलने में हुई देरी : सोमवार सुबह कर्मचारियों ने बैठक की। इसका उद्देश्य प्रबंधन के साथ इस मामले पर चर्चा करना और आगे ऐसी स्थिति न बनने की गारंटी हासिल करना था। कर्मचारियों की मांग थी कि भविष्य में किसी महिला कर्मचारी को केवल उसके जेंडर के आधार पर उसकी जिम्मेदारी या काम की जगह से पीछे न किया जाए। बैठक के चलते एफिल टावर को आम लोगों के लिए खोलने में देरी हुई। स्मारक पर एक नोटिस भी लगाया गया, जिसमें बताया गया कि संचालन संबंधी कारणों से एफिल टावर निर्धारित समय पर नहीं खुल पाएगा। यूनियन के मुताबिक, प्रबंधन ने इस घटना को लेकर कर्मचारियों से माफी मांगी है। हालांकि, कर्मचारियों का कहना है कि केवल माफी पर्याप्त नहीं है और पूरे मामले की विस्तृत जांच होनी चाहिए। एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी सेटे ने भी विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने माना कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से महिला कर्मचारियों के साथ संपर्क कम रखने की मांग की गई थी। सेटे ने कहा कि इस तरह की शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)